डिजिटल एडिशन

द अनकवर्ड अपडेट

Tni आवाज़

E-mail: tniawaz.news@gmail.com | कवर के पीछे की खबर | RAJHIN/25/A4779

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज़ | हिन्दुस्तान पत्रिका HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शुक्रवार 09 दिसंबर, 2026 | » वर्षः 01 | » अंकः 26 | » पृष्ठः 8 | » मूल्यः 2.00 रू.

मुख्यमंत्री ने किया 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का उद्घाटन : अत्याधुनिक उपकरण-हथियारों और युद्ध करने के तौर तरीकों से आमजन होंगे रूबरू

भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल और राष्ट्र की आत्मा : भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत गुरूवार को भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में अत्याधुनिक उपकरणों और युद्ध करने के तौर तरीकों की झलक मिलेगी। आमजन समझेंगे कि कैसे हमारी सेना दिन-रात सुरक्षा में तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड पहली बार सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर जयपुर में आयोजित हो रही है। इस परेड के माध्यम से नागरिक भारतीय सेना के अनुशासन, शौर्य और बलिदान के साथ-साथ सैन्य शक्ति से रूबरू होंगे। शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल, हर परिवार का भरोसा और राष्ट्र की आत्मा है। रेगिस्तान से लेकर बर्फीलेसियाचीन तक हर मोर्चे पर हमारे जवान मुस्तैद खड़े हैं, ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय सेना ने दिखाया कि वह आक्रामकता का माकूल जवाब देना जानती है।

ऑपरेशन सिंदूर- आतंकवाद के खिलाफ देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की प्रतिबद्धता को देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू किए गए मिशन सुदर्शन चक्र के अन्तर्गत आज हमारा देश किसी भी खतरे का सटीक और शक्तिशाली जवाब देने में सक्षम है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों की कर्मभूमि और जन्मभूमि है। इस भूमि ने परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह और लेफ्टिनेन्ट जनरल सगत सिंह जैसे पराक्रमी योद्धाओं को जन्म दिया।

भारत का रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रूपये

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सशस्त्र सेनाओं का आधुनिकीकरण अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर जाकर अब 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

पुलवामा हमले के आश्रितों को दिए आवास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकारने द्वितीय विश्व युद्ध के नॉन पेंशनर पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को पेंशन 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की, जिससे राज्य के 976 पूर्व सैनिक एवं विधवाएं लाभान्वित हुई। वीरगति प्राप्त सैनिकों के सम्मान में 43 विद्यालयों का नामकरण भी किया गया है। उन्होंने कहा कि बैटल कैजुअल्टी सैनिकों के 7 आश्रितों एवं 23 शौर्य पदक धारकों को कुल 750 बीघा भूमि आवंटित की गई। वहीं, पुलवामा हमले में वीरगति प्राप्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 5 कार्मिकों की आश्रित वीरांगनाओं को निवास भी दिए गए है।

भूतपूर्व सैनिकों के मानदेय में वृद्धि

शर्मा ने कहा कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के पंजीकरण से लेकर राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के लिए नया वेब पोर्टल तैयार किया गया है।भूतपूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीरांगनाओं की पेंशन संबंधी विसंगतियों के निराकरण हेतु जिला स्तर पर 418 कैम्पों का आयोजन कर 1 हजार 228 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों में संविदा पर नियोजित भूतपूर्व सैनिकों के मानदेय में वर्ष 2024 एवं वर्ष 2025 में 10-10 प्रतिशत की वृद्धि की गई। प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए गए विभिन्न आधुनिक हथियार, आर्टिलरीज और सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आधुनिक रायफलें, बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली, सेल्फ प्रोपल्ड गन्स, टैंक, बंकर, ड्रोन एवं एंटी-ड्रोन सिस्टम्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही, भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्सेज, पैराग्लाइडिंग गतिविधियां, स्काई डाइविंग, डॉग स्क्वॉड सहित अन्य गतिविधियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। वहीं, सिम्फनी बैंड ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वीरांगनाओं को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ और श्रीराम कथा में हुए शामिल

जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का सनातन परंपरा के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान

भारतीय संस्कृति में यज्ञ का विशेष महत्व - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को सीकर रोड़ स्थित नींदड़ में 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ और श्रीराम कथा में शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी के सानिध्य में सपरिवार मंत्रोच्चार के साथ विश्वकल्याण के लिए हवन में आहूति भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभद्राचार्य जी महाराज का भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप यज्ञ विधि से कार्य किया जाता है। विश्व कल्याण और राज्य के विकास के लिए स्वामी रामभद्राचार्य जी का यह यज्ञ अत्यंत महत्वपूर्ण है। यज्ञ के माध्यम से सद्भावनाएं सशक्त होती हैं। रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि यह यज्ञ भारत को सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की कामना से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह यज्ञ देश को अखण्ड, अजय और सशक्त बनाने के साथ-साथ सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं को पूरा करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। महाराज जी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की समृद्धि और प्रगति की कामना भी की।

राजस्थान-हाईकोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

दहेज-हत्या के मामले में 23 साल तक ट्रायल नहीं हुआ, देशभर के हाईकोर्ट से गंभीर लंबित मामलों की मांगी रिपोर्ट

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट की रोक के चलते 23 साल तक दहेज हत्या के मामले में ट्रायल नहीं होने पर सख्त नाराजगी जताई। हाईकोर्ट और राज्य सरकार से देरी का कारण स्पष्ट करने के लिए कहा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने गुरुवार को यह संज्ञान विजय कुमार और अन्य (आरोपियों) द्वारा दायर एसएलपी को खारिज करते हुए लिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि राजस्थान हाईकोर्ट से सभी रिकॉर्ड और सभी आदेश पत्र विशेष दूत (स्पेशल मैसेंजर) के माध्यम से तलब किए जाएं। कोर्ट ने राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा से पूछा कि वह बताएं कि इतने सालों में सरकार ने मामले में लगी रोक को हटाने के लिए क्या प्रयास किए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

साल 2003 में हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक

आरोपियों की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था, तब यह मामला उसके सामने आया। याचिका में यह तथ्य सामने रखे गए कि आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट ने नवंबर 2002 में आरोप तय कर दिए थे। साल 2003 में आरोप तय किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन पिटिशन दायर की गई। इस पर कोर्ट ने ट्रायल पर रोक लगा दी, लेकिन उसके बाद मामला लगभग दो दशकों तक लंबित रहा। इसे साल 2025 में हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। इसे आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

नशा तस्करों ने नारकोटिक्स विभाग के ड्राइवर का किडनैप किया, हाथ-पैर तोड़े

द अनकवर्ड अपडेट

सांचौर। डोडा पोस्त की गाड़ी पकड़वाने के शक में बदमाशों ने नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी के ड्राइवर का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने ड्राइवर को जबरन अपनी कार में बैठाया और मारपीट कर पैर तोड़ दिए। एक घंटे बाद ड्राइवर 45 किलोमीटर दूर हाईवे किनारे पड़ा मिला। घटना जालोर जिले के चितलावना थाना क्षेत्र के सिंवाड़ा गांव की गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे की है। युवक को गुड़ामालानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किडनैपिंग का सीसीटीवी भी सामने आया है।

बिना नंबर की स्कॉर्पियों में आए बदमाश

जिले के कुकावास गांव निवासी ओमप्रकाश बिश्नोई (35) पुत्र बाबूलाल सियाग ने बताया-वह नीमच में नारकोटिक विभाग के अधिकारी की गाड़ी चलाता है। वह सिवाड़ा में अपनी कार की सर्विस करवाने आया था। सर्विस सेंटर के पास गांव के शंकर लाल साऊ और मांगी लाल देवासी की निर्माणाधीन दुकानों के बाहर खड़ा होकर मोबाइल पर बात कर रहा था।

इसी दौरान एक बिना नंबर की स्कॉर्पियों और एक थार आई। दोनों में 7 बदमाश सवार थे। स्कॉर्पियों से चार लोग नीचे उतरे और मुझे पकड़ने के लिए भागे। मैं भागकर दुकानों के अंदर चला गया। चारों लोगों ने मुझे पकड़कर स्कॉर्पियों में पटक दिया। उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने हमारी गाड़ी पकड़वाई है। बदमाशों ने फौजी रोड़ पर मेरे हाथ पैर बांध दिए। स्कॉर्पियों में एक बदमाश ने बोला कि इसे गोली मार देते है। तभी दूसरा कहता है कि गोली नहीं, इसके हाथ-पांव तोड़ देते है।

राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में कानून व्यवस्था की निर्णायक भूमिका, पुलिस प्रशिक्षण के नवाचारों ने प्रदेश को दिलाई राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान, राष्ट्र सेवा के समर्पित भाव से पुलिसिंग को बनाएं मजबूत - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

युवा दिवस पर नई पीढ़ी को दें नए कानूनों की जानकारी, कराएं थानों की विजिट

राजस्थान पुलिस अकादमी को मिला देश में उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थान का दर्जा

दो वर्षों में प्रदेश की कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार, वर्ष 2023 के मुकाबले अपराधों में 15 प्रतिशत की आई कमी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सुदृढ़ कानून व्यवस्था की निर्णायक भूमिका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार ने औपनिवेशिक मानसिकता से बनाए गए पुराने कानूनों को बदलकर तीन नए कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिता में त्वरित न्याय की अवधारणा से लोगों का विश्वास और मजबूत हो रहा है।

शर्मा गुरुवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में 'विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षो में प्रदेश की कानून व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्ष 2023 के मुकाबले अपराधों में 15 प्रतिशत, हत्या के प्रकरणों में 25 प्रतिशत, लूट के प्रकरणों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं महिला अत्याचार में 10 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अत्याचार में 28 प्रतिशत की कमी आई है।

युवा दिवस पर विद्यार्थियों को कराएं थानों की विजिट

मुख्यमंत्री ने कहा देश में लागू हुए तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से 7 वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में जांच एफएसएल के माध्यम से कराने के लिए थानों को सुदृढ़ किया जा रहा है। साथ ही, एफआईआर, ई-एफआईआर और चार्जशीट के ई-रिकॉर्ड अपडेट से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि आने वाले युवा दिवस (12 जनवरी) पर विद्यार्थियों को थाने की विजिट करवाएं और थानों की कार्यप्रणाली तथा नये कानूनों से उन्हें अवगत करवाएं। नई पीढ़ी को विद्यार्थी जीवन में ही नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, पुलिसिंग आदि की जानकारी दी जाए।

संगठित अपराधों पर लगे अंकुश, सोशल मीडिया गतिविधियों की हो स्क्रीनिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठित अपराध को रोकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तथा इन पर पूरी तरह अंकुश लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी गैंगस्टर्स के लिए की जाने वाली पोस्ट की स्क्रीनिंग कर ऐसे लोगों की निगरानी और समझाइश की जाए। साथ ही, उन्होंने नशे की रोकथाम एवं नशे की तस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए भी जोर दिया। उन्होंने पुलिस द्वारा साइबर अपराध के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आमजन का यह विश्वास बहाल रखना हमारी जिम्मेदारी है।

बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश में बना निवेश का वातावरण

शर्मा ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। किसी भी प्रदेश में विकास एवं निवेश सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के बिना संभव नहीं है। हमारी सरकार ने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। समिट के दौरान हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे प्रदेश में निवेश का सुरक्षित वातावरण बना है।

पुलिस कल्याण के लिए उठाए गए बेहतर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पुलिस बल को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठा रही है और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है। हम पुलिस आधुनिकीकरण व संबंधित आधारभूत संरचना के लिए 200 करोड़ रुपये का फंड गठित करने जा रहे हैं। इसी तरह 350 करोड़ रुपये की लागत से सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल रूम एवं राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के कार्मिकों के वर्दी भत्ते एवं पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों के मैस भत्तों में बढ़ोतरी की है। साथ ही, पुलिस को और अधिक प्रभावी एवं कार्यदक्ष बनाने हेतु करीब 60 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी की गई हैं।

पुलिसिंग में अपनाएं सरकार और समाज का समग्र दृष्टिकोण

शर्मा ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए पुलिस को रचनात्मक और सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों एवं समूहों से जुड़ने के लिए तंत्र विकसित करना चाहिए। साथ ही, उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को समय-समय पर प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के प्रत्येक वर्ग को त्वरित न्याय दिलवाने हेतु पुलिसिंग के साथ संवेदनशीलता भी अपनाएं।

खुफिया सूचनाओं के विश्लेषण में हो प्रौद्योगिकी का उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग खूफिया सूचनाओं के विश्लेषण में किया जाना चाहिए। पुलिस प्रशिक्षण के महत्व को देखते हुए सभी पुलिस अधिकारियों को अपने कनिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रति वर्ष 100 घंटे समर्पित करने चाहिए। 10 वर्ष से अधिक सेवा अनुभव वाले पुलिस अधिकारियों को एक-एक पुलिस स्टेशन को गोद लेना चाहिए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पिछले दो वर्षो में प्रदेश में आमजन का विश्वास बढ़ा है, अपराधियों में भय का माहौल बना है और पुलिस विभाग ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट आई है तथा आंतरिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटते हुए राज्य देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है।

महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बेहतर पुलिसिंग के लिए समर्पित भाव से कार्य किए जा रहे हैं। पुलिस को अपने दायित्वों को सार्थक बनाते हुए नवाचार को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के दौरान साइबर अपराध, महिला सुरक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग, मादक पदार्थ व अपराधों पर नियंत्रण तथा पुलिस सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में ई-विजिटर्स पोर्टल एवं ई-जीरो एफआईआर का शुभारम्भ एवं राजस्थान पुलिस प्राथमिकता-2026 पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल, निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी संजीब कुमार नर्जरी सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

एसओजी ने 10-हजार के इनामी आरोपी को बीकानेर से दबोचा

जयपुर। एसओजी ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-।। एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-IV (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में नकल के मामले में गुरुवार को 10 हजार रुपए के इनामी अभियुक्त मितेश कुमार को बीकानेर से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा अनुचित साधनों के प्रयोग की शिकायतें मिली थी। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि तुलछाराम कालेर और पौरव कालेर गैंग सालासर में रहकर परीक्षार्थियों को ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल करवा रहे थे। इस संबंध में पुलिस थाना एसओजी में 19 अक्टूबर 2024 को मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त मितेश कुमार स्वयं इस परीक्षा का अभ्यर्थी था और उसने पौरव कालेर गैंग से मिलीभगत कर ब्लूटूथ के जरिए नकल की थी।

भारत पर 500% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद में बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है।

बिल का नाम 'सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025' है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं।

अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है।

नाबालिग शूटर से रेप, आरोपी नेशनल कोच सस्पेंड

21 दिन सदमे में रही, बोली- परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद के होटल में बुलाया

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की एक नाबालिग शूटर ने कोच पर रेप का आरोप लगाया है। शूटर का कहना है कि कोच ने उसकी परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद के फाइव स्टार होटल के रूम में बुलाकर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका करियर खत्म करने की भी धमकी दी।

नाबालिग करीब 21 दिनों तक सदमे में रही। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। 6 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फरीदाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में होटल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है।

उधर, मामले में संज्ञान लेते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया है। एसोसिएशन का कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होगी, अंकुश सस्पेंड रहेंगे।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ FIR मामले में हाईकोर्ट का बड़ा हस्तक्षेप, अधीनस्थ न्यायालय के आदेश पर लगाई रोक

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। राजस्थान हाई कोर्ट, जोधपुर की एकल पीठ पर माननीय न्यायाधीश जस्टिस फ़रज़न्द अली ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज न करने और जांच नहीं कराने के अधीनस्थ न्यायालय के आदेश पर स्थगन लगा दिया है। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया यह मानते हुए कि मामले में मुकदमा दर्ज करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।यह मामला मांडल निवासी ज़ाहिद हुसैन अंसारी के कथित अपहरण और मारपीट से जुड़ा है, जिसमें उस समय मांडल पुलिस थाने में तैनात कई पुलिसकर्मियों की संलिप्तता बताई गई है। पीड़ित ज़ाहिद हुसैन द्वारा पहले पुलिस थाने में इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई थी, लेकिन पुलिस ने स्न्ढ्ढक्र दर्ज नहीं की।इसके बाद ज़ाहिद हुसैन ने न्यायालय में इस्तगासा दायर कर मुकदमा दर्ज कर जांच कराने की मांग की, लेकिन अधीनस्थ न्यायालय ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और जांच के आदेश देने से इनकार कर दिया था।अधीनस्थ न्यायालय के इस आदेश को ज़ाहिद हुसैन अंसारी ने अपने अधिवक्ता पंकज चौधरी के माध्यम से क्रिमिनल रिट याचिका के जरिए राजस्थान हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट में हुई प्रारंभिक सुनवाई के दौरान न्यायालय ने अधीनस्थ न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से जवाब पेश करने के निर्देश दिए। इस आदेश के बाद पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं और मामले को लेकर न्यायिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

‘कैंपा-श्योर’ पैकेज्ड वॉटर के ब्रांड एंबेसडर बने अमिताभ बच्चन

रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स ने किफायती पैकेज्ड वॉटर के लिए किया दिग्गज अभिनेता से करार

हर भारतीय तक स्वच्छ और सुलभ पेयजल पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम

द अनकवर्ड अपडेट

बेंगलुरू। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने अपनी पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ब्रांड कैंपा श्योर के लिए बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कैंपा ब्रांड की तरह ही अमिताभ बच्चन भी उत्कृष्टता और भरोसे के प्रतीक माने जाते हैं और देश-विदेश में उनके करोड़ों प्रशंसक हैं। यह साझेदारी उपभोक्ताओं के विश्वास को और मजबूत करेगी। RCPL ने वर्ष 2022 में कैंपा कोला का अधिग्रहण किया था और 2023 में इसे दोबारा भारतीय बाजार में उतारा। इसके बाद कंपनी ने कैंपा एनर्जी ड्रिंक्स, रसिक बेवरेजेज, जूस और अब कैंपा श्योर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर के जरिए अपने बेवरेज पोर्टफोलियो का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। आज कैंपा भारतीय सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में एक मजबूत ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस अवसर पर रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केतन मोदी ने कहा, ÷जिस तरह कैंपा एक भरोसेमंद भारतीय ब्रांड है, उसी तरह श्री अमिताभ बच्चन भी हर भारतीय के दिलों पर राज करते हैं और उनकी लोकप्रियता सीमाओं से परे है। दोनों ही भरोसे, शुद्धता और प्रामाणिकता के प्रतीक हैं। श्री बच्चन और कैंपा का यह साथ एक ही सोच और दर्शन को दर्शाता है। इन दो दिग्गजों का एक साथ आना बेहद खास है। अपने इस जुड़ाव पर प्रतिक्रिया देते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, कैंपा श्योर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। हर भारतीय तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की इस पहल ने मुझे बेहद प्रभावित किया है।÷ अमिताभ बच्चन, अपने समृद्ध अनुभव, करिश्मा और विश्वसनीयता के साथ, कैंपा श्योर के मूल्यों का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह अमिताभ बच्चन पर लोगों का अटूट विश्वास है, उसी तरह कैंपा श्योर भी भरोसे, आश्वासन और प्रामाणिकता का प्रतीक बनकर उभर रहा है। कैंपा श्योर को सुरक्षित पेयजल को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बेहद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर लॉन्च किया गया है। यह 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर, 2 लीटर, 5 लीटर, 10 लीटर और 20 लीटर जैसे विभिन्न पैक साइज में उपलब्ध है, जो हर अवसर और हर उपभोक्ता की जरूरत को पूरा करता है। रिलायंस और कैंपा की विश्वसनीय विरासत पर आधारित कैंपा श्योर पानी 10 से अधिक शुद्धिकरण प्रक्रियाओं से गुजरता है और हर बूंद में शुद्धता और गुणवत्ता का भरोसा देता है।

योग प्रशिक्षकों ने एसडीएम को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, फुल टाइम संविदा और वेतन वृद्धि की मांग

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान बालघाट करौली। राजस्थान के राजकीय आयुर्वेद औषधालयों (आयुष्मान आरोग्य मंदिरों) में कार्यरत योग प्रशिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर सीएम के टोडाभीम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।।ज्ञापन में मुख्य मांग की गई है कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत जुलाई 2021 में नियुक्त पार्ट टाइम योग प्रशिक्षकों को संविदा कैडर-2022 में शामिल किया जाए, उन्हें फुल टाइम नियुक्ति दी जाए तथा मानदेय में वृद्धि की जाए। वर्तमान में महिला योग प्रशिक्षकों को 5000 रुपये और पुरुष योग प्रशिक्षकों को 8000 रुपये मासिक मानदेय मिल रहा है, जिससे परिवार का भरण-पोषण कठिन हो रहा है।ज्ञापन सौंपने वाले प्रदेशाध्यक्ष दिनेश नांगल ने बताया कि राज्य में करीब 3500 योग प्रशिक्षक औषधालयों, पंचायतों और विद्यालयों में योग सत्र आयोजित कर लोगों को स्वस्थ जीवन और योग के लाभों से अवगत करा रहे हैं। हाल ही में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजस्थान ने संगम पोर्टल पर सर्वाधिक योगाभ्यास कराकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें इन प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।प्रशिक्षकों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को विश्व स्तर पर बढ़ावा मिला है और राजस्थान सरकार भी योग के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। ऐसे में प्रशिक्षकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए फुल टाइम संविदा और उचित वेतन आवश्यक है।यह मांग योग प्रशिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही है। इससे पहले भी वे धरना-प्रदर्शन और विभिन्न नेताओं से मिलकर अपनी बात रख चुके हैं। सरकार से उम्मीद की जा रही है कि इस ज्ञापन पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई होगी।

किसानों को उचित दर पर उपलब्ध कराए खाद- राधेश्याम

कृषि विभाग ने ली जिले के खाद विक्रेताओं की बैठक

उचित दर पर खाद बेचने को किया पाबन्द

द अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर (विष्णु मित्तल)। कृषि विभाग के द्वारा संयुक्त निदेशक कार्यालय पर जिला स्तरीय खाद-बीज विक्रेताओं की बैठक संयुक्त निदेशक राधेश्याम मीणा की अध्यक्षता में हुई,जिसमें जिला खाद-बीज विक्रेता संघ के पदाधिकारी खाद-बीज के थोक एवं खुदरा विक्रेता शामिल हुए और संयुक्त निदेशक मीणा ने कहा कि यूरिया एवं डीएपी खाद उचित दर पर ही बेचा जाए,साथ ही सरकार एवं कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों की समस्याओं का समाधान करे और खाद की विक्रय पीओएस मशीन से ही करे,साथ ही खाद के क्रय-विक्रय का रिकार्ड भी इन्द्राज करे। उन्होने कहा कि किसान ही विक्रेता का मित्र है,जो कृषि विभाग और विक्रेता पर पूरा विश्वास कायम करता है। हमें भी उनका आदर करना चाहिए। उन्होने कहा कि खाद-बीज के विक्रेता भी कृषि विभाग के परिवार की भांति है,हमे विक्रेताओं की भी समस्याओं ध्यान देना पडता है। समय आने पर विभाग मदद भी करता है। संयुक्त निदेशक राधेश्याम मीणा,कृषि अधिकारी रूपेन्द्र सिंह मीणा कृषि अधिकारी, जगत सिंह आदि ने सरकार एवं कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी देते हुए विक्रेताओं से उचित दर पर खाद बेचे के निर्देश दिए। जिला खाद-बीज विक्रेता संघ के जिलाध्यक्ष रूपसिंह परमार,कोषाध्यक्ष खैमचन्द गोयल,मंत्री मोनार्क गर्ग, महेश चन्द गर्ग,राकेश गोयना, राहुल , विजयकान्त शर्मा,अरूण चौधरी,प्रेम सिंह चौधरी,सन्तोष मित्तल,बांके बिहारी, राजीव पोद्दार, प्रदीप शर्मा, जगमोहन कटारा आदि ने कहा कि जिले के सभी थोक वं खुदरा विक्रेता उचित दर पर खाद बेचते है और कृषि विभाग के सभी नियमों की पालना करते हुए उनके आदेशों की पालना करते है। उन्होने कहा कि कृषि विभाग का आदेश की पालना और किसानों की समस्या का समाधान करना तथा उचित दर पर खाद बेचना आदि का आश्वासन दिया। इस अवसर पर इफको के अधिकारी श्यामसुंदर, रामकिशोर ने भी कहा कि कृषि विभाग के नियमों की पालना कर उचित दर पर खाद बेचे।

नगर निगम द्वारा दो बार अतिक्रमण हटाने के बाद तीसरी बार किया अतिक्रमण

अतिक्रमी के हौसले बुलंद, कानून का नही है डर

अतिक्रमी द्वारा बार बार अतिक्रमण करके प्रशासन को ठेंगा दिखाया जा रहा है

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर स्थित सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर के पीछे खेतो में जाने का रास्ता आराजी संख्य 5849 दर्ज है। इस रास्ते को अतिक्रमी द्वारा कब्जा करके खेतो में आने जाने वाले काश्तकारों का रास्ता बंद कर परेशान किया जा रहा है।

पड़ोसी काश्तकार राहुल आचार्य

ने बताया कि नगर निगम की आराजी संख्य 5849 गै. मु. रास्ता दर्ज है , जो सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर के पीछे है इसी रास्ते से सभी काश्तकार आते जाते है। लेकिन चार पांच व्यक्ति मिलकर खेत के सामने कब्जा कर रास्ते को अवरुद्ध कर दिया है उसने बताया कि नगर निगम ने दो बार पहले भी अतिक्रमण को हटाया था। लेकिन तीसरी बार फिर से अतिक्रमण कर लिया है , खेत के सामने चारों तरफ अंग्रेजी काटेदार तार लगाकर एवं सीमेंट के पोल खड़े-कर दिए हैं। बार-बार अतिक्रमण करने पर भारी जुर्माना (जैसे ?5000 या अधिक) और सामान जब्त किया जा सकता है। भारतीय दंड संहिता की धारा 447 के तहत अतिक्रमण के (जुर्माना और/या कारावास का प्रावधान है। लेकिन अतिक्रमियों को कानून का भी डर नही है। प्रशासन द्वारा अतिक्रमी के खिलाफ सख्त कार्यवाही नही करने से अतिक्रमियों के हौसले बुलंद है।

भीलवाड़ा में 5वीं तक के छात्रों की छुट्टियां बढ़ाई

सर्दी के सितम को देखते हुए 10 जनवरी तक बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल बंद

अध्यापको को उपस्थिति होना जरूरी

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिले में कोहरे और बढ़ते सर्दी के सितम को देखते हुए कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए विद्यालयों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। जिला कलेक्टर के आदेश अनुसार अब जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के छात्र9 व 10 जनवरी 2026 को स्कूल नहीं आएंगे। यह फैसला मौसम विभाग के पूर्वानुमान और शीत लहर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पहले तीन दिन की छुट्टियों को दो दिन और बढ़ाया भीलवाड़ा जिले में इससे पहले 6 जनवरी मंगलवार से कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए तीन दिन की छुट्टियां घोषित की गई थी, जो 8 जनवरी तक

थी। अब नए आदेशों के तहत इस छुट्टी को दो दिन और बढ़ाते हुए 10 जनवरी 2026 तक कर दिया गया है। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीत लहर और बढ़ती ठंड के प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत निर्णय

जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अध्याय 4 की धारा 30 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के छात्र /छात्राओं के लिए 10 जनवरी 2026 तक छुट्टियां घोषित की गई है।

स्टाफ को स्कूल आना अनिवार्य

आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि छुट्टी अवधि के दौरान स्कूल स्टाफ को नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित रहना होगा। आदेश की अवहेलना करने वाले विद्यालयों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

Bhilwara SP के बंगले के बाहर से युवती किडनैप: स्कॉर्पियो में आए बदमाशों ने खींचकर गाड़ी में डाला; पुलिस ने रोका तो कुचलने की कोशिश की

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। भीलवाड़ा एसपी के बंगले के सामने से दिनदहाड़े युवती का किडनैप हो गया। ब्लैक स्कॉर्पियो में आए लोगों ने युवती को खींचकर गाड़ी में डाला और रफ्तार में गाड़ी दौड़ाते हुए भाग निकले। मौके पर मौजूद पुलिस के जवानों ने रोकने की कोशिश की तो उनको कुचलने का प्रयास किया। ससुराल पक्ष आरोप कि स्कॉर्पियो में युवती के पीहर पक्ष के लोग थे। उनका दावा है कि युवक और युवती ने कोर्ट मैरिज कर ली थी, लेकिन युवती के परिवार वाले इससे नाराज थे। घटना कलेक्ट्रेट परिसर के पास एसपी ऑफिस से महज 50 मीटर दूरी पर बुधवार शाम करीब 6 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, प्रेमी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही युवती ने पीहर पक्ष से खुद की जान को खतरा बताया था। इसका शपथ पत्र लेकर वह एसपी ऑफिस पहुंची थी। लौटते समय बीच सड़क पर ब्लैक स्कॉर्पियो आकर रुकी और उसमें सवार लोगों ने युवती को खींचकर गाड़ी में बैठा लिया और फरार हो गए। पीहर पक्ष से मिल रही थी धमकियां । युवती के ससुराल पक्ष का कहना है कि युवती को पीहर पक्ष से जान का खतरा था। इसी कारण वह उनसे दूर रह रही थी। कई बार पीहर पक्ष की ओर धमकी दी गई थी। ऐसे में युवती अपनी सुरक्षा की गुहार लगाने एसपी ऑफिस आई थी। शपथ पत्र देकर वह लौट रही थी। इसी दौरान एसपी ऑफिस से महज 50 मीटर दूर स्थित एसपी के बंगले के बाहर एक ब्लैक स्कॉर्पियो आकर रुकी। गाड़ी में बैठे लोगों ने युवती को खींचकर गाड़ी में डाला और फरार हो गए।पुलिस जवान ने रोका, लेकिन नहीं रुकी स्कॉर्पियो मौके पर मौजूद विशेष शाखा (छ्रस्क्) के.स्ठ्ठ प्रताप सिंह ने चलती गाड़ी के आगे खड़े होकर उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन किडनैपर्स ने गाड़ी नहीं रोकी और पुलिसकर्मी को कुचलने की कोशिश की। इस दौरान प्रताप सिंह का मोबाइल पर सड़क पर गिरकर टूट गया और वे बाल-बाल बचे। दो वकीलों ने भी स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने गाड़ी नहीं रोकी और भगाते हुए ले गए। तेज रफ्तार गाड़ी ने रास्ते में एक बाइक सवार को भी कुचलने की कोशिश की, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। चार घंटे में गाड़ी जब्त, लड़की और बदमाशों को डिटेन एडिशनल एसपी पारस जैन ने बताया- वारदात के बाद जिलेभर में नाकाबंदी करवाई थी। ब्लैक स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है। लड़की को डिटेन कर लिया है, साथ ही कुछ बदमाशों को भी पकड़ा है। मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

हलैना में 24 से खाटूश्याम महोत्सव का शुभारम्भ

श्रीराम कथा एवं 11 कुण्डीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, दो को भंडारा व जागरण

द अनकवर्ड अपडेट

हलैना (विष्णु मित्तल) श्री श्याम सखा मण्डल एवं श्याम प्रेमियों की ओर से कस्वा हलैना के प्राचीन श्री वीर हनुमान आश्रम स्थित श्री खाटूश्याम मन्दिर पर अयोध्या के सन्त व श्री वीर हनुमान आश्रम के महन्त अवधबिहारी जी महाराज और खाटूश्याम मन्दिर भरतपुर के महन्त रोहित जी महाराज के सानिध्यं में श्री खाटूश्याम मन्दिर से तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 जनवरी से 2 फरवरी तक श्री खाटूश्याम महोत्सव मनाया जाऐगा,जिसके तहत श्री राम कथा,11 कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ,दिव्य श्रृंगार,विशाल भण्डारा आदि कार्यक्रम होंगे,जिसकी तैयारियां शुरू हो गई। श्री श्याम सखा मण्डल के सेवक मास्टर ओमप्रकाश गुप्ता,रवि गोयल,अशोक गर्ग वैर वाले,सोमेश्वर पहलवान ने बताया कि श्री श्याम सखा मण्डल के द्वारा श्री श्याम मन्दिर का तृतीय स्थापना दिवस पर श्री खाटूश्याम महोत्सव-2026 मनाया जाऐगा। जिसका शुभारम्भ 24 जनवरी को होगा,जो 2 फरवरी तक आयोजित होगा। 24 जनवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा शुरू होगी,कथा का 24 जनवरी से एक फरवरी तक प्रतिदिन 12:15 से सायं 5:00 बजे तक होगी। कथा वाचक श्री वृन्दावन धाम के गोविन्द भईया जी महाराज होंगे। 25 जनवरी से एक फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 8:15 से 10:15 बजे तक 11 कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ होगा। यज्ञाचार्य मध्यप्रदेश प्रान्त के ममलेश्वर क्षेत्र के ओकाश्वेर निवासी सुदर्शन शर्मा होंगे। 2 फरवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति,विशाल भण्डारा एवं रात्रि को एक रात श्याम बाबा के नाम के तहत जागरण व संकिर्तन होगा। इस कार्यक्रम में देवस्थान विभाग के अधिकारी एवं श्री श्याम प्रेमी रामबाबू शास्त्री के सानिध्यं में श्याम बाबा का दरबार सजेंगा और ज्योत जलेगी।

12 जनवरी से 17 जनवरी तक उदयपुर राजस्थान में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में वीरेंद्र सिंह व्याख्याता सूरौठ होंगे रेफरी

द अनकवर्ड अपडेट

सूरौठ/टीकाराम शर्मा। 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी हॉकी 19 वर्षीय छात्र वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन 12 जनवरी से 17 जनवरी तक उदयपुर राजस्थान में आयोजित होने जा रही है, उसके मैचों के संचालन के लिए सूरौठ तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरौठ में कार्यरत वीरेंद्र सिंह व्याख्याता शारीरिक शिक्षा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रैफरी की भूमिका निभाएंगे , इस प्रतियोगिता में देशभर के अंडर -19 बॉयज वर्ग की 44 टीमें भाग लेंगी , प्रतियोगिता के मैच उदयपुर शहर के खेलगाव स्टोटफ बी एन कॉलेज के मैदानों पर खेले जाऐगें, वीरेंद्र सिंह की इस उपलब्धि पर राजस्थान हॉकी अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत, फिजिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार सहारिया , रामवतार शर्मा, अमरसिंह मीना, विश्राम मीणा, भूपाल सिंह मीना , रजनीश मीना पुरूषोत्तम बंशीवाल,योगेंद्र सिंह सत्येन्द्र जाटव, नीरज बंशीवाल, देवीसहाय शर्मा ,मुरारीलाल शाक्यवार, लोकेश मीणा शारीरिक शिक्षक प्रभात कुमार विजय, प्रमेन्द्र कौशिक, अवधेश शर्मा, सहित जिलेभर के खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्मशान घाटों के जीर्णोद्धार के लिए गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दिये सुझाव

नगर निगम स्वयंसेवी संस्थाओं का ले सहयोग

पदाधिकारियों के साथ बैठक करे आयोजित

द अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर (विष्णु मित्तल)। भरतपुर शहर के शमशान घाटों के जीर्णोद्धार एवं नियमित साफ सफाई के लिए समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख सुझाव दिया है कि शमशान घाटों के विकास के लिए स्वयंसेवी, धार्मिक, व्यापारिक संस्थाओं का सहयोग लिया जा सकता है। जिसके लिए निगम आयुक्त इन संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें एक-एक शमशान गोद दे। संस्थाओं द्वारा शमशानों में कराये जाने वाले कार्यों में निगम पूर्व की भांति सहयोग प्रदान करे। शमशानों के विकास एवं समस्याओं के सम्बन्ध में प्रतिमाह बैठक आयोजित हो। गुप्ता द्वारा लिखे गये पत्र में दुःख व्यक्त किया है कि भरतपुर शहर के प्रमुख शमशान घाट पर कार की हैड लाइट के उजाले में अंतिम संस्कार किया गया। यह स्थिति केवल अव्यवस्था का उदाहरण नहीं है बल्कि मानव गरिमा, मानवीय मूल्यों व प्रशासनिक संवेदनशीलता पर गहरा आघात है। गुप्ता ने पत्र में सुझाव दिया है कि शमशान घाटों के सम्बन्ध में होने वाली बैठक में विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की जाये। इसके अलावा निगम के अधिकारियों को प्रत्येक शमशान की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंप कर जवाबदेही तय की जाये। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक ने पत्र में कहा है कि शमशान घाटों पर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रत्येक स्वायत्तशासी संस्था एवं हम सबकी की जिम्मेदारी है। जब कोई परिवार में अपूरणीय क्षति के दुःख से गुजर रहा होता है उससे यह अपेक्षा करना कि वह मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भी अंतिम संस्कार सही तरीके से सम्पन्न करे, निश्चय ही यह अमानवीय है।

जयपुर डिस्कॉम करौली ने बकाया वसूली अभियान में जब्त किए 8 ट्रांसफार्मर, 13.76 लाख रुपये की बकाया राशि पर कार्रवाई

द अनकवर्ड अपडेट

वसीम खान/बालघाट करौली। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जयपुर डिस्कॉम) करौली के अधीक्षण अभियंता (पवस) रूपसिंह गुर्जर के निर्देश पर बिजली बिल बकाया वसूली के लिए सघन अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व अधिशासी अभियंता (सतर्कता) नवरत्न बैरवा तथा अधिशासी अभियंता (पवस) हिण्डौन सिटी मुकेश गुप्ता ने किया।इस अभियान में सहायक अभियंता नांगल शेरपुर रिंकु कुमार मीना, कनिष्ठ अभियंता बृजेश कुमार मीना एवं हिमांशु गुप्ता के साथ निगम के अन्य कर्मचारी, एफएटी टीम तथा एसएचओ एपीटीपीएस करौली महेंद्रप्रताप सिंह धाकड़ मय पुलिस जाप्ता शामिल रहे।टीम ने ग्राम पहाड़ी, किरवाड़ा, शेखपुरा, आखावाड़ा, खिलचीपुरा एवं बिचपुरी में छापेमारी की, जहां कृषि एवं घरेलू कनेक्शनों पर भारी बकाया राशि मिली। कृषि कनेक्शनों के पांच उपभोक्ताओं पर कुल 7 लाख 25 हजार रुपये (सांवलिया-पहाड़ी 85,000; गब्बू-किरवाड़ा 1,05,000; रामप्रसाद जाटव-किरवाड़ा 2,60,000; किस्तूरा-शेखपुरा 1,25,000 एवं श्यामसुंदर-बिचपुरी 1,04,000 रुपये) तथा घरेलू कनेक्शनों के 13 उपभोक्ताओं पर 6 लाख 51 हजार रुपये बकाया होने पर कुल 8 ट्रांसफार्मर जब्त कर लिए गए। जब्त ट्रांसफार्मरों को सहायक अभियंता कार्यालय के भंडार में जमा कराया गया।अधीक्षण अभियंता रूपसिंह गुर्जर ने बताया कि बकाया वसूली का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

भीलवाड़ा में ऐतिहासिक दिन, वार्ड 27 को मिलेगा विकास का नया आयाम

द अनकवर्ड अपडेट

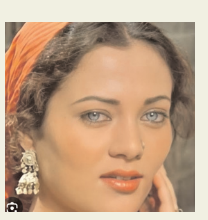

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। शहर के वार्ड नंबर 27 के लिए कल का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। बॉलीवुड की चर्चित फिल्म राम तेरी गंगा मैली की अभिनेत्री मंदाकिनी राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर महापौर राकेश पाठक कल भीलवाड़ा पहुंचकर वार्ड नंबर 27 में विकास कार्यों का भव्य उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगी। वार्ड नंबर 27 के लोकप्रिय एवं कर्मठ पार्षद श्यामलाल मल्होत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके नेतृत्व में पिछले लगभग 5 वर्षों की विकास यात्रा को एक नई ऊंचाई मिलने जा रही है। इस अवसर पर करीब 40 विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन किए जाएंगे, जो वार्ड की तस्वीर और तक़दीर दोनों बदलने वाले हैं। पार्षद श्यामलाल मल्होत्रा ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि यह कार्यक्रम अरिहंत हॉस्पिटल के पास स्थित सामुदायिक भवन, भीलवाड़ा में आयोजित किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं वार्डवासी मौजूद रहेंगे। श्यामलाल मल्होत्रा ने कहा कि वार्ड 27 में सड़क, नाली, पेयजल, लाइटिंग एवं आधारभूत सुविधाओं को लेकर निरंतर कार्य किया गया है और यह आयोजन उन्हीं विकास कार्यों की एक मजबूत कड़ी है। इस भव्य आयोजन को लेकर पूरे वार्ड में उत्साह का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि पार्षद श्यामलाल मल्होत्रा के नेतृत्व में वार्ड 27 विकास की मिसाल बनता जा रहा है।

किसान बोले बाबा हमे खाद दिला दो...

लवाण में यूरिया खाद की कालाबाजारी, टीम को देख विक्रेताओं के होश उडे

पीओएस मशीन व गोदाम की जांच कराने से इंकार

द अनकवर्ड अपडेट

लवाण (दौसा) कस्वा लवाण सहित आसपास के गांवों में खाद विक्रेताओं के द्वारा यूरिया खाद की कालाबाजारी एवं जमाखोरी की जा रही है,जो खाद की निर्धारित दर 267 रूपए 50 पैसा की जगह 380 रूपए से 400 रूपए तक यूरिया कट्टा बेच कर किसानों का आर्थिक शोषण करने से नही चूक रहे। जिसके कारण क्षेत्र के किसान बेहद परेशान है। क्षेत्र के किसानों के द्वारा विक्रेता और उसकी दुकान का वीडियों तैयार कृषि विभाग एवं प्रशासन का खाद की कालाबाजारी एवं जमाखोरी से अगवत कराते हुए शियकत की। जिस पर कृषि विभाग दौसा के सहायक कृषि अधिकारी काजल मीणा एवं कृषि पर्यवेक्षक प्रियंका मीणा कस्वा लवाण स्थित श्री जी एगोंटेक फर्म पर पहुंचे,जिन्हे देख फर्म संचालक मीठालाल के होश उड गए साथ ही अन्य खाद विक्रेता गोदाम व दुकानों शटल लगा कर इधर-उधर हो गए। फर्म संचालक ने उक्त टीम को खाद के क्रय-विक्रय का रिकार्ड,पीओएस मशीन में तकनीकी खराबी एव गोदाम की चाबी नही होने की कहते हुए जांच कराने से इंकार कर दिया।

सहायक कृषि अधिकारी काजल मीणा ने बताया कि कस्वा लवाण में खाद की कालाबाजारी एवं जमाखोरी की कई दिनों से शिकायते मिल रही थी। 8 जनवरी को क्षेत्र के किसान गोविन्द प्रजापत और रामावतार सिंह ने कस्वा में संचालित श्री जी एग्रोटेक फर्म और इस फर्म के संचालक मीठालाल की दुकान व गोदाम की वीडियों बना कर वायरल करते हुए कृषि विभाग को शिकायत की। जिसके आधार पर कृषि विभाग की टीम उक्त फर्म पर पहुंची,जहां दुकानदार मीठालाल ने खाद-बीज क्रय-विक्रय का रिकार्ड,पीओएस मशीन और गोदाम की जांच प्रभावित की और पीओएस मशीन की तकनीकी खराबी एवं गोदाम की चाबी पास में नही होने का बहाना बनाते हुए जांच कराने से इंकार कर दिया। जिसकी जानकारी कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों को अगवत कराते हुए रिर्पोट तैयार की। उन्होने बताया कि यूरिया खाद कट्टे का निर्धारित मूल्य 267 रू 50 पैसा है,इससे अधिक पैसा लेना गलत है,जो कालाबाजारी की श्रेणी में आता है। विक्रेता जब किसान को खाद विक्रय करता है तो पीओएस मशीन में उसका आधार कार्ड नम्बर और अंगूठा लगवाता है।

- किसान बोले बाबा हमे खाद दिला दो.....

कस्वा लवाण एवं आसपास के कई गांवों के किसानों ने कृषि मंत्री किरोडीलाल मीणा से दूरभाष पर वार्ता करते हुए गुहार लगाई कि बाबा हमे यूरिया खाद दिला दो,खाद विक्रेता मनमानी दर से खाद बेच रहे है। हमें 380 से 400 रू तक में यूरिया तथा 2500 से 2800 रू तक में डीएपी खरीदी पड रही है। लवाण निवासी गोविन्द प्रजापत और रामावतार सिंह ने बताया कि खाद विक्रेता यूरिया का उचित दर पर नही बेच रहे,जों 400 रू तक वसूल रहे है। यहां से यूरिया पडौसी जिले भरतपुर,करौली,अलवर अधिक मुनाफा लेकर खाद माफियों को बेच देते है।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का निधन

स्कीइंग के दौरान घायल हुए थे अग्निवेश

पीएम मोदी, सीएम शर्मा और गुप्ता ने जताया दुःख, भुसावर - भरतपुर की धरा से था लगाव

भरतपुर, भुसावर और हलैना में छाया शोक

द अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर (विष्णु मित्तल)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। जो अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे। जिनको इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया था। 7 जनवरी 2026 को अस्पताल में ही उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। पिता अनिल अग्रवाल ने रात 10 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अनिल अग्रवाल ने लिखा हमें लगा था कि बुरा वक्त बीत चुका है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने अपने बेटे को याद करते हुए इसे जीवन का सबसे अंधकारमय दिन बताया और वे बेटे से किए वादे को निभाते हुए अपनी निजी कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा दान करेंगे साथ ही बेटे अग्निवेश के साथ अनिल अग्रवाल ने स्वयं की तस्वीरें शेयर की। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल के निधन की सूचना मिलते ही भरतपुर , भुसावर, खेड़ली और हलैना में शोक की लहर छा गई। जिनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, केंदीय मंत्री नितिन गडकरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला,राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा , उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री आदिनाथ योगी नाथ, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम,समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता, डीग कुम्हेर विधायक डॉ शैलेन्द्र सिंह, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, उद्योगपति यश अग्रवाल, पूर्व सांसद रामस्वरुप कोली, पूर्व सांसद रंजीता कोली,उद्योगपति राहुल बंसल,भाजपा नेता दौलत सिंह फौजदार,भाजपा की जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, भाजपा के पूर्वजिलाध्यक्ष सत्येंद्र गोयल, उद्योगपति रामकुमार गुप्ता,विष्णु मित्तल पत्रकार ,राजेश पचौरी, युवा अग्रवाल सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता अचार वाले आदि ने दुःख प्रकट किया।

भीलवाड़ा में मासूम से दरिंदगी का आरोपी गिरफ्तार, खेत में सो रहे पिता के पास से बेटी को उठाकर ले गए थे; पुलिस ने साढ़े 3 साल बाद पकड़ा

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। मासूम को किडनैप कर गैंगरेप करने के आरोपी को भीलवाड़ा पुलिस ने साढ़े 3 साल बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 15 हजार का इनाम घोषित था। इसी मामले में गिरफ्तार एक अन्य आरोपी को पॉक्सो कोर्ट ने आजीवन कारावास और 1 लाख 68 हजार के जुर्माने से दंडित भी किया था। घटना जिले के काछोला थाना इलाके में 16 जून 2022 को हुई थी। जांच अधिकारी सुरेश डाबरिया ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया- 17 जून 2022 को काछोला थाने पर पीड़िता के पिता ने एक रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया था कि 16 जून को वो अपने खेत पर बने कच्चे मकान में सो रहा था। इसी दौरान कुछ अज्ञात व्यक्ति शराब और नॉनवेज लेकर खेत में बने मकान की ओर आए और मेरे साथ मारपीट की। मेरे गले में पहना सोने का नामा मुझसे छीन लिया और मुझे कमरे में बंद कर दिया।

बेटी को बाइक पर जबरदस्ती ले गए

इसके बाद उन्होंने पास में सो रही मेरी पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ मारपीट की, उसके पर्स में रखे 5 हजार छीन लिए और मेरी बच्ची को जबरदस्ती बाइक पर उठा कर ले गए और हरपुर के जंगलों में ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया और उसे वहीं छोड़ भाग निकले।डीएनए सैंपल से हुई रेप की पुष्टि इस रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर एक टीम का गठन किया। इस टीम ने घटना में शामिल एक व्यक्ति और एक बाल अपचारी को 5 दिसंबर को गिरफ्तार किया। इन्होंने अपने एक अन्य साथी के भी इस वारदात में शामिल होने की जानकारी दी। पुलिस ने उनके डीएनए सैंपल से उनके अपराध की पुष्टि करवाई। एक आरोपी को आजीवन कारावास

पॉक्सो कोर्ट ने इस मामले में दोष साबित होने के बाद

एक आरोपी को आजीवन कारावास और एक लाख 68 हजार के जुर्माने से दंडित किया था दूसरे व्यक्ति की तलाश में टीम ने मुखबिरों की सूचना, परंपरागत पुलिसिंग के बाद उसे रूपाहेली थाना क्षेत्र में एक बैठक में भाग लेने जाने के दौरान डिटेन किया और पूछताछ के बाद इसे बापर्दा गिरफ्तार कर लिया।

ये थे टीम में शामिल आरोपी को पकड़ने गई टीम में आईपीएस सुरेश कुमार डाबरिया, हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, सत्यनारायण, कांस्टेबल शम्मी कुमार, भंवरलाल और गुलाबपुरा थाने की टीम का विशेष सहयोग रहा।

एक दवा निराली सिर्फ 15 सेकंड की ताली

स्वास्थ्य मंदिर पर निशुल्क स्वास्थ्य कार्यशाला

द अनकवर्ड अपडेट

भरतपुर (विष्णु मित्तल)। स्वास्थ्य मंदिर आश्रम महाराजसर पर निशुल्क स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कार्यशाला का संचालन कर रहे डॉक्टर अरुण ॠषि स्वर्गीय ने कहा की ÷एक दवा निराली सिर्फ 15 सेकंड की ताली÷ जब ताली को पूरे प्रेशर के साथ बजाया जाता है तो शरीर के सभी बिंदु एक्यूप्रेशर सिद्धांत के अनुसार प्रेशर होते हैं और जो उनमें और हवा का दबाव होता है व रोग ठीक होने लगते हैं। प्रतिदिन दिन में तीन बार 15 सेकंड की ताली का अभ्यास नसों का खिसक जाना, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, स्लिप डिस्क, गैस्ट्रिक ट्रैवल, अनिद्रा जैसे रोग में बहुत तेजी से लाभ देती है अरुण ॠषि स्वर्गीय ने बताया कि जिसका तलवा चमकेगा उसका चेहरा दमकेगा हमें प्रतिदिन अपनी तलवे की अच्छी सी सफाई करनी चाहिए जितना तलवा साफ होगा चेहरा भी उतना ही चमकता हुआ नजर आएगा। कार्यक्रम प्रभारी प्रभा गुप्ता ने बताया कि इंदौर के अरुण ॠषि स्वर्गीय पिछले 25 वर्षों से और देश-विदेश में जाकर दवाओं से कैसे बचा जाए बगैर दवाओं के कैसे ठीक हुआ जाए अपने आहार में बदलाव कर हर रोग को कैसे ठीक किया जा सकता है पर लोगों को जागरुक कर रहे हैं। अब तक अरुण ॠषि 2000 से अधिक कार्यशालाओं का आयोजन कर चुके हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंदिर के अध्यक्ष प्रवीन गुप्ता, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, आजीवन सदस्य सी एम गुप्ता, ओम प्रकाश सिंघल, एल आर गुप्ता, डॉ सुनीता कुलश्रेष्ठ, ममता गुप्ता, धनेश कुमार, सुरभि गर्ग, डॉ दिगंबर सिंह, संदीप श्रीवास्तव, गिरीश शर्मा, पवन सिंघल, मोहनलाल अग्रवाल, वंदना गुप्ता, श्रेज़ल अग्रवाल, अनुराधा गुप्ता, महिला सेवा इकाई के सदस्य, राजकीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र व अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

गिवअप अभियान में जिला लगातार प्रथम स्थान पर, अब तक 2 लाख 37 हजार 926 लोगों ने किया गिवअप

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाडा/केशव मिश्रा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा प्रारंभ किया गया 'गिव अप अभियान' रोज नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भीलवाड़ा जिले ने इस अभियान में अव्वल रहते हुए अबतक 2 लाख 37 हजार 926 लोगों से 'गिव अप' करवाकर ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। ईकेवाईसी के माध्यम से 76153 लोग भी एनएफएसए योजना से हटे हैं। इस प्रकार कुल 3 लाख 14 हजार 079 अपात्र लोगों को एनएफएसए योजना से हटाया गया। इन अपात्र लोगो के हटने से 255317 पात्र किन्तु वंचित लोगों को एनएफएसए योजना में जोड़ने में जिले को सफलता मिली है। एक ओर जहां एनएफएसए योजना से हटाये लोगों पर वहन होने वाली खाद्य, गैस, बीमा, चिकित्सा सब्सिडी से बचत होगी वहीं दूसरी ओर नये एनएफएसए लाभार्थियों को इन चार योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि 'गिव अप' योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, सरकारी कार्मिकों, आयकर दाताओं तथा 01 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों ने एनएफएसए लाभ का त्याग कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। 'गिवअप' अभियान ने समाज में जागृति पैदा की है एवं लोग भारी संख्या में ऑनलाईन एवं ऑफलाईन 'गिव अप' कर सामाजिक कर्त्तव्य का निर्वहन कर मिसाल कायम कर रहे हैं। इस अभियान में समाज के हर वर्ग के लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं सोशियल, प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। खाद्य विभाग के कार्मिकों एवं उचित मूल्य दुकानदारों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विभाग ने एम.एस.पी. पर 100 क्विंटल से अधिक गेहूँ बेचने वाले लाभार्थी परिवारों की सूची उपलब्ध कराई है जिनकी जांच की जा रही है। वर्तमान में यह योजना 28 फरवरी 2026 तक के लिए है। 28 फरवरी 2026 तक स्वेच्छा से गिव अप नहीं करने वाले अपात्र लाभार्थियों से 01 मार्च 2026 से 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेहूँ की दर से खाद्यान्न वसूली की जायेगी।

कालीबाई भील मेधावी स्कूटी एवं देवनारायण स्कूटी योजना के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाडा/केशव मिश्रा। कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना एवं देवनारायण स्कूटी योजना वर्ष 2025-26 की पुनः पोर्टल खुलने की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है जिसका अवलोकन http//the.rajasthan.gov.in पर किया जा सकता है। सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सावन कुमार जांगिड़ ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि स्कूटी योजना में ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल 30 जनवरी 2026 तक खोला गया है। छात्राऐ योजना से संबंधित दिशा निर्देश व दस्तावेजों का भली भांति अध्ययन कर ही आवेदन करें। स्कूटी योजना जिला नोडल सुनीता भार्गव ने बताया कि छात्राएं आवेदन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अपने स्वयं के महाविद्यालय प्रभारी अथवा जिला नोडल महाविद्यालय से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकती है। आवेदन के लिए विद्यार्थी के पास जन आधार कार्ड होना आवश्यक है एवं उसमें भरी हुई सूचनाओं यथा जाति, मूल निवास, बैंक डिटेल, आदि अपडेट होनी चाहिए।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

भारतीय कूटनीति की परीक्षा का समय

विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती

कहने को तो एक साल ही बदला है, पर डोनाल्ड ट्रंप ने जैसी उथल-पुथल मचाई है, उससे लगता है मानो एक युग बदल गया है। नए साल की शुरुआत में ही उन्होंने वेनेजुएला पर धावा बोल दिया। अमेरिका इस वर्ष अपनी स्थापना की 250वीं जयंती मनाएगा, लेकिन दुनिया के सबसे उदार, संतुलित और स्थिर लोकतंत्र के संस्थापकों ने क्या कभी सोचा होगा कि कोई राष्ट्रपति 250 वर्षों से स्थापित व्यवस्था को केवल एक साल के भीतर उलट-पलट देगा? अफ्रीकी मूल के फंक गायक जेम्स ब्राउन का मशहूर गीत है- इट्स मेंस वर्ल्ड (यह मर्दों की दुनिया है)। उसी तर्ज पर कहा जा सकता है कि यह ट्रंप की दुनिया है-खासकर भूराजनीति और अर्थनीति के मामले में। ट्रंप की दुनिया में किसी स्थापित कूटनीतिक परंपरा और अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानून की कोई गारंटी नहीं है। यह द्वितीय महायुद्ध के बाद बनी नियमबद्ध व्यवस्था वाली दुनिया से नितांत भिन्न है, जिसके आधार पर भारत की विदेश और व्यापार नीति टिकी है। जिस गुटबाजी से भारत को परहेज था, वह सोवियत संघ के विघटन से टूटी और दुनिया एकध्रुवीय बन गई। भारत ने गुटनिरपेक्षता की जगह हितसापेक्ष स्वायत्तता की नीति अपनाई और खेमेबाजी से दूर रहते हुए अपनी सामरिक एवं आर्थिक शक्ति के विकास के लिए अमेरिका का रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत से पहले चीन ने भी गुटबाजी छोड़कर अपने सामरिक हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक साझेदारी की, जिसकी बदौलत आज वह अमेरिका को हर क्षेत्र में चुनौती देने की स्थिति में आ गया है। ट्रंप खुद चीन को जी-2 का दूसरा जी यानी दूसरी महाशक्ति मान चुके हैं। रूस को वे सामरिक महाशक्ति मानते हैं, लेकिन वह वैश्विक शक्ति संतुलन की तीसरी धुरी बनने की स्थिति में नहीं है। यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों ने उसे चीन के खेमे में पहुंचा दिया है। यानी दुनिया एक बार फिर दो खेमों में बंटती दिख रही है, जबकि भारत बहुपक्षीय व्यवस्था चाहता है। ट्रंप के यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु संधि जैसी वैश्विक संस्थाओं और संधियों से हाथ खींच लेने के कारण उभरती शक्तियों के लिए विश्व मंच पर कुछ जगह जरूर बनी है। हालांकि नियमबद्ध व्यवस्था का स्थान महाशक्तियों की मनमानी ने ले लिया है। अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बनाना, ईरान और नाइजीरिया पर हवाई हमले और ताइवान को डराने के लिए चीन के सैनिक अभ्यास इसके ताजा उदाहरण हैं। महाशक्तियों की मनमानी भारत के लिए चिंताजनक है। भारत चाहता जरूर है कि वैश्विक संस्थाएं अमेरिका और यूरोप के नियंत्रण से मुक्त हों, पर नियमबद्धता की कीमत पर नहीं। वह चाहता है कि वैश्विक संस्थाओं में भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसी शक्तियों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिले। महाशक्तियों की मनमानी वाली अव्यवस्था में यदि भारत को सुरक्षा परिषद और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में उचित स्थान मिल भी जाए तो उसकी व्यावहारिक उपादेयता क्या रह जाएगी? हकीकत यह है कि भारत को इसी व्यवस्था के भीतर अपनी विदेश नीति के कौशल से अपनी जगह बनानी है। इस साल उसे ब्रिक्स देशों की अध्यक्षता करनी है, जहां उसे दक्षिणी देशों का नेतृत्व करने का अवसर तो मिलेगा, मगर उसके लिए उसे चीन का सामना भी करना पड़ेगा। ब्रिक्स का सदस्य ईरान भी है, जहां मुद्रा के अवमूल्यन और आर्थिक संकट को लेकर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि प्रदर्शनों पर सख्ती बरती गई तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। अध्यक्ष होने के नाते ब्रिक्स देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की यह धमकी भारत के लिए यूक्रेन जैसा धर्मसंकट खड़ा कर सकती है। भारत को एक साल से टलती आ रही क्वाड शिखर बैठक का आयोजन भी करना है, जो ट्रंप की भारत यात्रा पर निर्भर करेगा। ट्रंप की भारत यात्रा व्यापार वार्ताओं की प्रगति पर निर्भर करेगी, जिनके सिरे न चढ़ने के कारण 25 साल पुराने संबंधों में खटास आई है। हालांकि अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रियर ने भारत के प्रस्तावों को अब तक मिले सर्वश्रेष्ठ व्यापार प्रस्ताव बताया है, पर ट्रंप के रवैये को देखते हुए भारत किसी बात पर भरोसा करने का जोखिम नहीं उठा सकता। उसे अमेरिकी बाजार के विकल्प खोजने ही होंगे। उसने यूएई, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए हैं, लेकिन अमेरिकी बाजार के जाने से हुए नुकसान की भरपाई इनसे नहीं केवल यूरोप और खाड़ी परिषद के व्यापार समझौतों से ही हो सकती है और वह भी कुछ हद तक। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डे लायन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा की गणतंत्र दिवस पर भारत यात्रा से उम्मीद है कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप मिल सकेगा।भारत की विदेश और व्यापार नीति की असली परीक्षा दक्षिण एशिया में होगी। 'पड़ोस पहले' की नीति के तहत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ संचार, यातायात, व्यापार और आर्थिक मदद पर अरबों डालर खर्च करने के बावजूद भारत इन देशों में वह विश्वास और प्रभाव नहीं जमा पाया, जिसकी उम्मीद थी। बांग्लादेश में भारत विरोधी लहर सोचने को बाध्य करती है कि क्या भारत के 3900 सैनिकों के बलिदान, करोड़ों लोगों को शरण और हाल की लगभग आठ अरब डालर के कर्ज की सुविधा का यही प्रतिफल है? फरवरी में होने जा रहे चुनाव में भारत विरोधी बीएनपी का सत्ता में आना लगभग तय है। नेपाल में तो कौन सत्ता में आएगा और वह आंदोलनकारी जेन-जी को स्वीकार होगा या नहीं, इसका अनुमान लगाना कठिन है। बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ-साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

> बड़ा सवाल यह है कि भारत के तमाम सहयोग और राहत की नीतियों के बावजूद ये देश चीन और पाकिस्तान की तरफ क्यों झुके जाते हैं, जिनकी नीतियों की वजह से कर्ज और जिहादी आतंक के संकटों से घिर जाते हैं? चीन के अलावा अब ट्रंप और सऊदी का समर्थन मिलने से इतराए पाकिस्तान का उपाय करने के साथ-साथ इस सवाल का हल खोजना शायद भारतीय विदेश नीति की सबसे बड़ी चुनौती होगी।

वेनेज़ुएला संकट: अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

ललित गर्ग

वेनेज़ुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेज़ुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेज़ुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खड़े हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेज़ुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये। अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेज़ुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेज़ुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेज़ुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है। दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेज़ुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेज़ुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेज़ुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है। इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रूवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेज़ुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है। तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है। भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है।

युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी। वेनेज़ुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेज़ुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

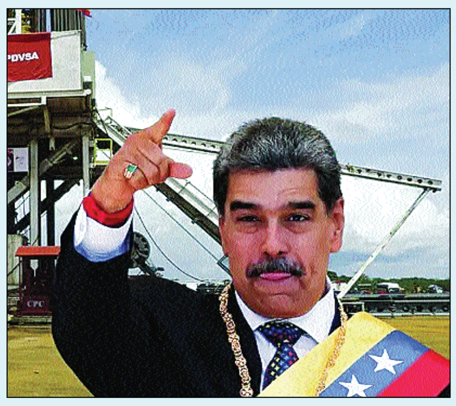

> दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेज़ुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेज़ुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है।

सोमनाथ के शिखर पर फहराती ध्वजा गवाह है, आतंक अस्थाई है और आस्था शाश्वत

इतिहास सिर्फ धूल भरी तिथियों का ढेर नहीं होता, यह उन जख्मों का लेखा-जोखा है, जो सभ्यताओं के चरित्र को तय करते हैं। आज जब हम वर्ष 2026 में सोमनाथ की दहलीज पर खड़े हैं तो समुद्र की लहरों में सिर्फ भक्ति का स्वर नहीं है, बल्कि एक हजार साल पुराना वह चीत्कार भी कहीं दबा हुआ है। जनवरी 1026 में जब महमूद गजनवी के घोड़ों की टापों ने प्रभास पाटन की पवित्र मिट्टी को रौंदा था, तब वह सिर्फ एक मंदिर की लूट नहीं थी। वह हमारी सामर्थ्य, हमारी एकता और हमारे आत्म-गौरव पर किया गया एक ऐसा प्रहार था, जिसका दाग धोने में हमें दस सदियां लग गईं। आज गजनवी इतिहास के कूड़ेदान में एक क्रूर आक्रांता के रूप में दर्ज है और सोमनाथ का शिखर बादलों को चूम रहा है, लेकिन इस भव्यता के बीच खुद से एक कड़वा सवाल पूछना जरूरी है, क्या हम वाकई बदल गए हैं या हम आज भी सिर्फ इतिहास के दोहराव का इंतजार कर रहे हैं? 10वीं-11वीं शताब्दी का भारत सोने की चिड़िया तो था, लेकिन वह चिड़िया अलग-अलग पिंजरों में बंद थी। हम टुकड़ों में बंटे थे, हम सामरिक रूप से अपाहिज थे। गजनवी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया और हर बार वह हमारी आपसी फूट की दरारों से रास्ता बनाकर अंदर घुसा। सबसे बड़ा दर्द यह नहीं कि उसने मंदिर तोड़ा, बल्कि यह है कि जब 50 हजार निहत्थे श्रद्धालु अपनी देह की दीवार बनाकर मंदिर बचा रहे थे, तब भारत के शक्तिशाली राजा अपनी सीमाओं के भीतर दुबके बैठे थे। गजनवी शिवलिंग को खंडित करके और अकूत संपदा ऊंटों पर लादकर ले गया, लेकिन उससे बड़ा बोझ वो हमारे मानस पर पराजित मानसिकता का छोड़ गया था। विगत 1000 वर्षों में हमने पत्थर तो जोड़ लिए, लेकिन क्या हमने अपनी उन कमियों को सुधारा? गजनवी के समय कोई केंद्रीय सुरक्षा नहीं थी। आज हम गर्व से कहते हैं कि हम परमाणु शक्ति हैं, हमारी सेनाएं विश्व में श्रेष्ठ हैं और खैबर दर्रे से अब किसी लुटेरे का आना नामुमकिन है, लेकिन आज का गजनवी दर्रों से नहीं, बल्कि डिजिटल नैरेटिव, वैचारिक कट्टरपंथ और आंतरिक फूट के रास्तों से घर के भीतर घुसने की कोशिश कर रहा है। आज भी जब बामियान में बुद्ध तोड़े जाते हैं या मध्य-पूर्व में प्राचीन विरासतें मलबे में तब्दील की जाती हैं तो यह अहसास होता है कि गजनवी मरा नहीं है, वह सिर्फ अपनी खाल बदलकर हमारे सामने खड़ा है।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया-इतिहास का सबसे बड़ा विरोधाभास देखिए। स्वतंत्र भारत में जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया, तब भी कुछ बुद्धिजीवियों के पेट में दर्द हुआ था। नवंबर 1947 में प्रभास पाटन के तट पर खड़े होकर सरदार पटेल ने कहा था कि यह अपमान को मिटाने का कार्य है। लेकिन, दु:खद यह है कि आजादी के बाद भी दशकों तक हमें अपनी ही विरासत के लिए अदालतों और दलीलों का सहारा लेना पड़ा। आज जब हम राम मंदिर या काशी विश्वनाथ का कायाकल्प देखते हैं तो यह केवल ईंट-पत्थर का जुड़ना नहीं है, बल्कि उस सांस्कृतिक संप्रभुता की वापसी है, जिसे गजनवी जैसे लोग कुचलना चाहते थे। एक और चुभता हुआ सवाल, हमने कभी प्रतिशोध नहीं लिया, यह हमारी महानता है या हमारी कमजोरी? हमने अपने मंदिर बनाए, लेकिन किसी की इबादतगाह नहीं उजाड़ी। हमने वसुधैव कुटुंबकम को जिया, लेकिन क्या दुनिया ने हमारी इस उदारता का सम्मान किया? सोमनाथ का इतिहास चीख-चीख कर कहता है कि शांति केवल शक्ति के साये में ही पल सकती है। अगर आप सशक्त नहीं हैं तो आपका सत्य भी मलबे में दबा दिया जाएगा।

भारत की कहानी भी सोमनाथ जैसी ही है-महमूद गजनवी ने सोचा था कि उसने सोमनाथ का अंत कर दिया। वह बेवकूफ था। वह भूल गया था कि सोमनाथ का अर्थ है सोम (चंद्रमा) का नाथ। चंद्रमा घटता है, पर मरता नहीं है। वह फिर से पूर्ण होता है। भारत की कहानी भी सोमनाथ जैसी ही है। हमने अपनी खोई हुई शक्ति वापस पा ली है, हमने अपनी राजनीतिक पहचान ढूंढ ली है और हमने अपने मंदिरों को फिर से गगनचुंबी बना लिया है। वर्ष 2026 की यह सहस्राब्दी सिर्फ विजय का उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि खुद को यह याद दिलाने के लिए है कि असावधानी की कीमत क्या होती है? सोमनाथ के शिखर पर फहराती ध्वजा गवाह है कि आतंक अस्थाई है और आस्था शाश्वत, लेकिन यह ध्वजा हमसे पूछ रही है कि क्या अगली बार किसी गजनवी के आने पर हम फिर से 50 हजार बलिदानों का इंतजार करेंगे या आज का सशक्त भारत उसे सीमा पर ही मिट्टी में मिला देगा?

> महमूद गजनवी ने सोचा था कि उसने सोमनाथ का अंत कर दिया। वह बेवकूफ था। वह भूल गया था कि सोमनाथ का अर्थ है सोम (चंद्रमा) का नाथ। चंद्रमा घटता है, पर मरता नहीं है।

जीवन धारा : इंतजार न करें; बस चलते रहें

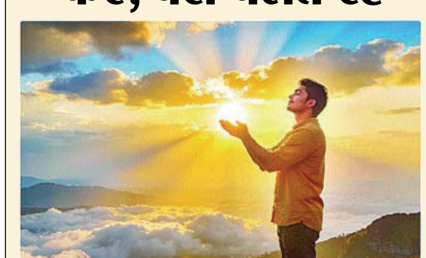

चलना केवल एक भौतिक क्रिया नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व की सबसे सुंदर स्वीकृति है। जब मनुष्य चलता है, वह हर कदम में यह स्वीकार करता है कि वह जीवित है और उसके भीतर अब भी खोजने, समझने व जीने की इच्छा शेष है। गति तो आत्मा का श्वास है। जो व्यक्ति चलना बंद कर देता है, वह केवल ठहरता नहीं, बल्कि वह धीरे-धीरे अपने भीतर के जीवन से वियोग अनुभव करने लगता है। जड़ता एक प्रकार की आध्यात्मिक मृत्यु है, जो शरीर से पहले आत्मा को निष्प्राण बना देती है। चलना आत्मा व शरीर के बीच संवाद का माध्यम है। थमे हुए विचार गति में आकर बहने लगते हैं, और आत्मा उस मौन में बोल उठती है, जिसे स्थिरता ने रोक रखा था। ऐसा लगता है, जैसे जीवन स्वयं कह रहा हो कि 'मत रुक, क्योंकि रुकते ही तू अपने भय का शिकार हो जाएगा।' गति में विश्वास है, जबकि ठहराव में डर। चलना एक सौम्य विद्रोह है-ठहराव के खिलाफ, निराशा के खिलाफ, और अपने भीतर के संदेह के खिलाफ। जब मनुष्य एक कदम आगे रखता है, तो वह खुद से कहता है, 'मैं अभी समाप्त नहीं हुआ हूं।' जब मैं चलता हूं, तो अपने अस्तित्व से संवाद करता हूं। मेरे विचार खुलते हैं, बोझ हल्का होता है, और भीतर का मौन बोलने लगता है। रास्ता स्वयं मेरे पांवों के नीचे निर्मित होता चला जाता है। मैं समझता हूं कि जीवन किसी निष्कर्ष का नाम नहीं, बल्कि उस निरंतर गतिविधि का नाम है, जिसके बिना आत्मा नष्ट हो जाती है। चलना तो साहस का प्रतीक है, यानी डर के बावजूद कदम उठाने का विश्वास, अंधेरे में भी यह मानने की हिम्मत कि आगे बढ़ना संभव है। जब मनुष्य ऐसा करता है, तो वह अनिश्चितता को अपने होने का प्रमाण बना देता है। अस्तित्व का सार इसी अनिश्चितता में है। यही अनिश्चितता मनुष्य को सोचने, बदलने, और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। जो व्यक्ति केवल परिणाम चाहता है, वह थक जाता है, क्योंकि उसका दृष्टिकोण सीमित होता है। पर जो चलता रहता है, वह सीखता है कि अर्थ मंजिल में नहीं, बल्कि यात्रा के अनुभव में निहित होता है। यही जीवन का सत्य है। हर कदम यह सिखाता है कि रुकना हार नहीं, बस एक क्षणिक ठहराव है। जीवन भी हमारी गति के साथ चलता है। जब हम ठहरते हैं, वह भी ठहर जाता है, जब हम बढ़ते हैं, वह भी बढ़ता है। इसलिए, अपनी चलने की इच्छा को जीवित रखें, क्योंकि जब तक आदमी चलता रहता है, वह अपने भीतर की रोशनी से जुड़ा रहता है। अस्तित्व हमेशा उसी को दिशा देता है, जो उठकर चलने का साहस रखता है। और जब एक मनुष्य यह समझ लेता है कि चलना ही जीवन का सबसे गहरा विश्वास है, तब मार्ग, स्वयं अपनी दिशा प्रकट कर देता है।

कुछ बदलने का साहस रखें-चलना केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को स्वीकार करना भी है। जब मनुष्य चलता है, वह मान लेता है कि उसके भीतर अब भी आशा शेष है, सीखने की क्षमता जीवित है और बदलने का साहस बाकी है। ठहराव शरीर को विश्राम देता है, पर जड़ता आत्मा को थका देती है। इसलिए जीवन में रुकना कभी समाधान नहीं होता है।

माघ मास में सुधामृत योग का अद्भुत संयोग

जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति व मोक्ष की प्राप्ति की संकल्पना को साकार करने हेतु श्रद्धालु प्रयागराज संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने को लालायित रहतें हैं

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा ब्यूरो बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि पर एक राशि में चार ग्रह एक साथ रहेंगे, जिससे चतुर्ग्रहीय योग बनेगा। और इस चतुर्ग्रहीय संयोग से सुधामृत योग बनेगा, जो श्रद्धालु स्नानार्थियों को कुंभ की भांति पुण्य की प्राप्ति भी कराएगा। माघ मास में संगम की रेती पर लाखों संत व गृहस्थ सुख-सुविधाओं का त्याग करके समर्पित भाव से साधना में लीन नजर आयेंगे।

इस बार मकर संक्रांति का पुण्यकाल कही-कही 15 जनवरी को भी रहेगा

ज्योतिषाचार्य आचार्य योगेंद्र शर्मा के अनुसार कैलेंडर में 14 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान पर्व दर्शाया गया हैं, लेकिन, उसका पुण्यकाल 15 जनवरी को भी पड़ेगा। 14 जनवरी की दिन मे 15ः07 बजे सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा, इसके बाद संक्रांति पुण्यकाल आरंभ होगा, जो 15 जनवरी को भी मिलेगा। यहीं से देवताओं का दिन और दैत्यों की रात आरंभ होगी।

माघ 2026 की प्रमुख तिथियां

आचार्य योगेंद्र शर्मा के बताते हैं कि, 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान पर्व (माघ मेला व कल्पवास का शुभारंभ) हुआ था।अब इसके बाद 14 व 15 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान पर्व, फिर 18 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान पर्व, उसके बाद 23 जनवरी को बसंत पंचमी स्नान पर्व, बाद इसके 01 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान पर्व (कल्पवास का समापन), और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान पर्व (माघ मेला का समापन) पर्व रहेगा।

राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन दौसा शहर के चुनाव की घोषणा, आवश्यक बैठक आयोजित

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। गुरुवार को धर्मपाल मीणा, प्रांतीय प्रतिनिधि की अध्यक्षता में राजस्थान नर्सिंग कार्मिक जिला शाखा, दौसा की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में यह जानकारी दी गई कि जिला शाखा दौसा शहर का कार्यकाल समाप्त हो चुका है।बैठक में दौसा मेडिकल कॉलेज के अधीनस्थ चिकित्सालयों में कार्यरत नर्सिंग कार्मिकों के सक्रिय पदाधिकारियों की सहमति से राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन, दौसा शहर के चुनाव कराए जाने की घोषणा की गई।सदस्यता अभियान एवं चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने हेतु अशोक भागोती, जिला प्रवक्ता अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) को चुनाव संयोजक तथा रामकेश मीणा को सह-संयोजक नियुक्त किया गया। दोनों को यह जिम्मेदारी प्रदेशाध्यक्ष खुशीराम मीणा द्वारा अधिकृत की गई है।बैठक में महासंघ प्रमुख भगवान वर्मा, जिला अध्यक्ष एन. आर. बालोत, कमलेश मीणा, अरविंद योगी, दिनेश बैरवा, कुमेश मीणा, थान सिंह मीणा, गणेश वेदवाल एवं रामकेश मीणा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीसीपीएनडीटी ब्यूरो का उदयपुर में डिकॉय ऑपरेशन, महिला दलाल सहित चिकित्सक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज, डिकॉय राशि बरामद

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ द्वारा बुधवार को उदयपुर जिले में मुखबिर की सूचना के आधार पर त्वरित डिकॉय कार्यवाही करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण में लिप्त महिला दलाल सहित एक चिकित्सक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। साथ ही डिकॉय ऑपरेशन में काम में ली गयी राशि 30 हजार रुपए टीम द्वारा बरामद कर ली गई है। अध्यक्ष राज्य समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी एवं मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि उदयपुर व इसके आसपास के क्षेत्रों में दलाल व चिकित्सकों के गिरोह के माध्यम से भ्रूण लिंग परीक्षण कार्य किया जा रहा है। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हेमन्त जाखड़ के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक श्रीमती मंजू मीणा के नेतृत्व में डिकॉय टीम गठित कर उदयपुर भेजी गई। डॉ. यादव ने बताया कि उदयपुर निवासी महिला दलाल पूजा सागर ने डिकॉय सदस्य गर्भवती महिला को 7 जनवरी को 11 बजे महाराणा भूपाल अस्पताल के सामने 35 हजार रुपए की राशि लेकर बुलवाया। कुछ समय इधर-उधर घुमाने के बाद पास ही स्थित निजी अमर आशीष अस्पताल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की संचालक डॉ. नीना सक्सेना से मिलवाया और इसके बाद महिला दलाल डिकॉय गर्भवती को धरा डायनोस्टिक नामक सेंटर पर लेकर गए। वहां ढाई हजार रुपए की रसीद कटवाकर सोनोग्राफी की गयी और सोनोग्राफी रिपोर्ट, रसीद और फिल्म मय डॉक्टर की रेफरल स्लिप लेकर वापस अमर आशीष अस्पताल आए। उन्होंने बताया कि वहां डॉ. नीना सक्सेना ने गर्भवती से 30 हजार रुपए की राशि लेकर भ्रूण लिंग की जानकारी दी। इशारा मिलते ही टीम ने अस्पताल में चिकित्सक डॉ. नीना सक्सेना को तत्काल मय राशि के गिरफ्तार कर लिया। साथ ही महिला दलाल पूजा सागर को भी गिरफ्तार कर लिया। परियोजना निदेशक पीसीपीएनडीटी डॉ राकेश मीना ने बताया कि उक्त डिकॉय के बाद पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

पत्नी के अलग रहने से था अवसाद में तो जिला अस्पताल के महिला शौचालय में युवक ने अंगोछे से फंदा लगा की जीवन लीला की समाप्त

अस्पताल प्रशासन ने गार्ड-हेल्पर को हटाया

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जिला अस्पताल, जहां जिंदगी बचाने का दावा किया जाता है, वहीं गुरुवार को मौत का खौफनाक मंजर सामने आया। सर्जिकल वार्ड के महिला शौचालय में एक युवक का शव फंदे पर झूलता मिला, जिससे पूरे अस्पताल परिसर में सनसनी फैल गई।ड्यूटी पर तैनात कंपाउंडर दिनेश बेरवा को शौचालय से लगातार नल से पानी बहने की आवाज आई। शक होने पर जब वह मौके पर पहुंचे तो शौचालय का गेट अंदर से बंद था। सहयोगियों की मदद से जब ताला तोड़ा गया, तो भीतर का नजारा देख सभी के होश उड़ गए–एक युवक अपने ही अंगोछे से फंदा लगाकर झूल रहा था। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को फंदे से उतारकर इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास मिले बैग और मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी पहचान रामावतार मीणा निवासी कालीखाड़, थाना पापड़दा के रूप में हुई। सूचना पर परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने बताया कि मृतक की शादी वर्ष 2008 में हुई थी, लेकिन पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। पत्नी बीते सात वर्षों से जयपुर में बेटे और बेटी के साथ अलग रह रही थी, जिससे रामावतार मानसिक तनाव में था। वह दौसा में मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता था। इस सनसनीखेज घटना के बाद अस्पताल प्रशासन भी कठघरे में आ गया। पीएमओ डॉ. आर.के. मीणा ने सर्जिकल वार्ड में तैनात गार्ड हेमेंद्र शर्मा और हेल्पर पिंटू मीणा को कार्य में लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से हटा दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, वहीं अब बड़ा सवाल यह है कि युवक महिला शौचालय तक कैसे पहुंचा और इतनी देर तक किसी की नजर क्यों नहीं पड़ी। इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के बाद ही इस रहस्यमयी मौत की पूरी परतें खुलने की संभावना है। दौसा जिला अस्पताल में हुई यह घटना सुरक्षा व्यवस्था और व्यवस्थापन पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

दौसा जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. आर. मीणा ने बताया कि महिला सर्जिकल वार्ड के इंचार्ज दिनेश बेरवा से मोबाइल पर जानकारी मिली थी कि एक अज्ञात व्यक्ति फीमेल टॉयलेट में फंदे से लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस ने शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवाकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं और पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। लेकिन घटना ने जिले के सबसे बड़े अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

थाना मंडावर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध बजरी खनन व परिवहन पर शिकंजा,एक गिरफ्तार

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। थाना मंडावर पुलिस ने अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक बिना नंबर का ट्रैक्टर-ट्रॉली बजरी से भरा हुआ जब्त किया है तथा एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में की गई। कार्रवाई का नेतृत्व थानाधिकारी मंडावर प्रवीन कुमार (पुलिस निरीक्षक) ने किया। पुलिस के अनुसार दिनांक 06 जनवरी 2026 को प्रातः लगभग 9:30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम टीकरी खिलानोत से गढ़ हिमतसिंह की ओर जाने वाली सड़क पर अवैध रूप से बजरी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थानाधिकारी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे।मौके पर एक नीले रंग का फार्म ट्रैक्टर (60 मॉडल) बिना नंबर का, बजरी से भरी ट्रॉली के साथ जाता हुआ मिला। पुलिस ने हाथ का इशारा कर ट्रैक्टर को रुकवाया और बजरी के परिवहन से संबंधित रॉयल्टी/परमिट के बारे में पूछताछ की, लेकिन चालक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।इस पर पुलिस ने अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर थाना मंडावर परिसर में खड़ा कराया तथा खनन विभाग (डीपीएम/टीपी माइंस विभाग) को सूचना दी।पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त आरोपी रवि मीणा के खिलाफ प्रकरण संख्या 15/2026, धारा 303(2) बीएनएस एवं 4/21 एमएमडीआर एक्ट के तहत दिनांक 07 जनवरी 2026 को मामला दर्ज कर आरोपी को पुलिस हिरासत में ले लिया है। आरोपी रवि मीणा पुत्र रामदयाल मीणा उम्रः 26 वर्ष निवासीः भनोखेरथानाः बहतूकला जिलाः अलवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ अभियान जारी है और आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नो योर आर्मी प्रदर्शनी– ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने मार गिराया था पाकिस्तानी YIHA-III ड्रोन

सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों को किया गया है प्रदर्शित

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के शौर्य की अनेक गाथाओं को प्रदर्शित किया गया है। ऐसा ही एक किस्सा है, दुश्मन के YIHA-III ड्रोन का जिसे हमारी सेना ने निष्क्रीय कर दिया था। आज जब हम सुरक्षित अपने घरों में रहते हैं, तब हमारी सीमाओं पर वीर जवान तिरंगे की रक्षा कर रहे होते हैं।

शौर्य और बलिदान की अमर गाथाएं

भारतीय सेना का इतिहास वीरता, पराक्रम और बलिदान से भरा हुआ है। 1947 से लेकर आज तक, हर युद्ध और हर ऑपरेशन में सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया है।

आधुनिक तकनीक और अनुशासन का संगम

आज भारतीय सेना आधुनिक हथियारों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण से लैस है। लेकिन इन सब से ऊपर है उसका अनुशासन, समर्पण और देश के प्रति अटूट निष्ठा।

भारतीय सेना ने मार गिराया YIHA-III ड्रोन

ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान दुश्मन द्वारा चलाए गए ऑपरेशन 'बुनयान उल मरसूस' में YIHA-III ड्रोन का व्यापक उपयोग किया गया। 10 मई, 2025 की सुबह यह ड्रोन मुख्यालय 80 इन्फैंट्री ब्रिगेड के ऊपर देखा गया, जिसे हमारी टुकड़ियों ने सफलतापूर्वक मार गिराया। ड्रोन का मलबा बरामद किया गया, जिसमें 10 किलोग्राम का वारहेड सुरक्षित अवस्था में मिला। फॉरेंसिक जांच में यह सामने आया कि ड्रोन ने पाकिस्तान के सियालकोट क्षेत्र से उड़ान भरी थी और इसमें लक्ष्य के रूप में मुख्यालय 80 इन्फैंट्री ब्रिगेड, नौशेरा के निर्देशांक पहले से फीड किए गए थे।

गौरतलब है कि YIHA-III तुर्की और पाकिस्तान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक हाई-प्रिसीजन कामिकाज़े ड्रोन है, जिसे Baykar और NASTP ने तैयार किया है। इसमें MTAS एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (ATGM) वारहेड लगाया गया है, जो एक ट्यूबलर बॉडी में फिट है। यह ड्रोन फिक्स्ड ट्राइसाइकिल लैंडिंग गियर से लैस है, जिससे इसे रनवे के साथ-साथ कैटापुल्ट सिस्टम से भी लॉन्च किया जा सकता है। लॉन्च के बाद यह हवा में लंबे समय तक मंडरा सकता है, लक्ष्य की पहचान करता है और फिर ऊपर से सीधी वर्टिकल डाइव करते हुए हमला करता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 200 किलोमीटर तक है और इसे स्वॉर्म मोड में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बावजूद इसके, भारतीय सेना ने इस ड्रोन को आसानी से मार गिराया था।

भीलवाड़ा में चाचा ने भतीजी को बनाया

हवस का शिकारः खेत में ले जाकर अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ की, मां को रोती हुई मिली

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। जिले के करेड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला ने उसकी नाबालिग बेटी को खेत में ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़, अश्लील हरकतें करने पर अपने देवर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज करवाई। मामला करेड़ा थाना क्षेत्र का है, सीओ ओमप्रकाश सोलंकी ने द अनकवर्ड अपडेट को बताया कि एक महिला ने करेड़ा थाने में रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि आरोपी बेटी का रिश्ते में चाचा है। दो दिन पहले जब नाबालिग बच्ची खेत से घर आ रही थी इसी दौरान उसका काका वहां आया और वो नाबालिग भतीजी को खेतों की तरफ ले गया। उसके साथ छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने लगा। बेटी जब घर नहीं पहुंची तो मां ओर अन्य परिजन अपनी बेटी को ढूंढते हुए खेतों की तरफ गए तो वो उन्हें रोती हुई मिली।

पूछताछ करने पर उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि जब वो घर आ रही थी तो काका ने रोक लिया ओर उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उसने मना किया तो उसे डराया ओर किसी को नहीं बताने का बोला। बेटी की आपबीती सुन मां करेड़ा थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, अश्लील हरकतें करने व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कोतवाली थाने के पास बिजली पोल पर चढ़ युवक ने 3 घंटे तक किया हाई वोल्टेज ड्रामा

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा शहर में बुधवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कोतवाली थाना क्षेत्र के पास लगे 11 केवी बिजली पोल पर एक युवक अचानक चढ़ गया और हाई वोल्टेज ड्रामा करने लगा। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी सुरेश के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुरेश अचानक बिजली के पोल पर चढ़ गया, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कराई गई।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए क्रेन व जेसीबी मशीन की मदद ली गई। काफी मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतारा जा रहा था, इसी दौरान वह क्रेन से फिसलकर नीचे गिर गया। हालांकि सिविल डिफेंस टीम ने पहले से ही सुरक्षा जाल बिछा रखा था, जिससे वह जाल पर गिरा और बड़ा हादसा टल गया। युवक को हल्की चोटें आई हैं।इस दौरान घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, जिन्हें नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सख्ती करनी पड़ी। बाद में युवक को सुरक्षित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक किसी ठेकेदार के पास काम करता था और उसका लंबे समय से मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि भुगतान नहीं मिलने से आक्रोशित होकर उसने यह खतरनाक कदम उठाया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दौसा विधायक दीनदयाल (डी.सी.) बैरवा का जन्मदिन भव्य रूप से मनाया जायेगा कल

द अनकवर्ड अपडेट

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा विधायक दीनदयाल (डी.सी.) बैरवा का जन्मदिन 10 तारीख को भव्य रूप से मनाया जाएगा। दौसा विधायक दीनदयाल (डी.सी.) बैरवा का जन्मदिन 10 जनवरी को प्रधान पैलेस, दौसा में प्रातः 11ः00 बजे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जन्मदिवस कार्यक्रम के अवसर पर नवीन कार्यालय का विधिवत उद्घाटन भी किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान विधायक दीनदयाल बेरवा को शुभकामनाएं देने के लिए जिले भर से कार्यकर्ताओं का आगमन होगा। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम संगठनात्मक मजबूती और आपसी संवाद का महत्वपूर्ण अवसर रहेगा।

अर्थव्यवस्था की रफ्तार बरकरार, इंडिया रेटिंग्स को 6.9 फीसदी ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था में तेजी रहने का अनुमान है। रेटिंग देने वाली एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा आयकर में कटौती जैसे प्रमुख सुधार और व्यापार समझौते, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के रूप में काम करेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था को वैश्विक उथल-पुथल से बचाएंगे। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष 2026-27 में भी उच्च वृद्धि दर और कम महंगाई दर (औसतन 3.8 फीसदी खुदरा महंगाई) की स्थिति बनी रहेगी। पंत ने कहा कम शुल्क वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़ों में और इजाफा होगा। रेटिंग एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी और बाजार मूल्य पर जीडीपी नौ फीसदी रहने का अनुमान जताया है। इंडिया रेटिंग्स को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय रुपया औसतन 92.26 प्रति डॉलर रहेगा, जो मौजूदा वित्त वर्ष में 88.64 प्रति डॉलर से अधिक है।

बीआईएस मार्क कई सेक्टर्स में भरोसे के प्रतीक के तौर पर उभरा : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) मार्क कई सेक्टरों में भरोसे का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि बीआईएस सिर्फ एक संस्था नहीं है, बल्कि एक मजबूत विरासत है, जिसने देश की यात्रा को आकार दिया है। मंत्री जोशी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 79वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। प्रल्हाद जोशी ने इस बात पर जोर दिया कि क्वालिटी एक जिम्मेदारी और एक कॉम्पिटिटिव फायदा है, जिसमें स्टैंडर्ड एक्सीलेंस, कंज्यूमर प्रोटेक्शन, बिजनेस करने में आसानी, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भरभारत के लिए बेंचमार्क का काम करते हैं। जोशी ने कहा कि बीआईएस क्वालिटी, भरोसे और एक्सीलेंस की विरासत का जश्न मना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट और मेड इन इंडिया को ट्रस्टेड बाय इंडिया और ट्रस्टेड बाय द वर्ल्ड में बदलने के सामूहिक संकल्प के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

कैट 1-4 मई तक भारत मंडपम में 'भारतीय व्यापार महोत्सव' आयोजित करेगा : खंडेलवाल

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 1 से 4 मई तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'भारतीय व्यापार महोत्सव 2026' का आयोजन करेगा। यह पहल आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल एवं लोकल टू ग्लोबल के आह्वान के अनुरूप शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य देश के घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुदृढ़ करना तथा भारत के व्यापारिक परचम को अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थापित करना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में चार दिवसीय 'भारतीय व्यापार महोत्सव 2026' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में टैरिफ और वैश्विक संघर्षों के चलते विश्व में बड़े परिवर्तन आए हैं। कैट इसे भारत की सामूहिक क्षमताओं को सशक्त करने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखता है। इसी क्रम में देशभर में भारतीय व्यापार मूवमेंट शुरू किया जा रहा है, जिसकी पहली प्रमुख पहल के रूप में 1 मई से 4 मई तक भारत मंडपम में इसका आयोजन करेगा, जो भारत का अबतक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो होगा।

गैल्वानेक्स्ट 2026 : गैल्वनाइज्ड व कलर-कोटेड स्टील पर वैश्विक विशेषज्ञों का जमशेदपुर में होगा जुटान

पूर्वी सिंहभूम। गैल्वनाइज्ड और कलर-कोटेड स्टील्स के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर मंथन के लिए 'गैल्वानेक्स्ट 2026' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 08 और 09 जनवरी को जमशेदपुर के ताज विवांता होटल में किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) जमशेदपुर चैप्टर, टाटा स्टील लिमिटेड, सीएसआईआर-नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी, इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन (इजा) और इंडिया लीड जिंक डेवलपमेंट एसोसिएशन (इल्जदा) के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। टाटा स्टील की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह सम्मेलन विशेष रूप से गैल्वनाइज्ड और कलर-कोटेड स्टील्स पर केंद्रित होगा, जिसमें देश-विदेश के शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। सम्मेलन में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू, एएमएनएस (इंडिया), आर्सेलर (अमेरिका), एचबीआईएस (चीन) जैसी प्रमुख स्टील कंपनियों के अलावा जॉन कॉकरेल, एंड्रिट्ज़, लैमिफ्लेक्स, योगीजी डिजी, ईएमजी, इंडस्ट्रोनैनो, ब्रुकर, पायनियर फर्नेस प्राइवेट लिमिटेड, थर्मोफिशर साइंटिफिक, एटीएस टेक्नो, जेओएल और एमएसएमई पार्टनर ऑस्टिन पेंट्स जैसी अग्रणी तकनीकी कंपनियां अपने नवाचारों और अनुभवों को साझा करेंगी।

भारतीय रेल ने किफायती यात्रा को किया और मजबूत, आधुनिक जनरल एवं नॉन-एसी कोचों का रिकॉर्ड उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल आम यात्रियों की जरूरतों को केंद्र में रखते हुए बुनियादी ढांचे और सेवाओं का आधुनिकीकरण कर रही है। निरंतर निवेश, परिचालन सुधार और तकनीक के उपयोग के माध्यम से रेलवे का लक्ष्य रेल यात्रा को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित, आरामदायक और किफायती बनाना है। रेलवे ने किफायती किराये पर बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त जनरल और नॉन-एसी कोचों का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। ये कोच न केवल यात्रा सुविधा में सुधार कर रहे हैं, बल्कि वहन क्षमता को भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा रहे हैं। रेल मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में रेलवे द्वारा 4,838 नए एलएचबी जनरल और नॉन-एसी कोचों के निर्माण का प्रावधान किया गया है, जबकि 2026-27 के लिए 4,802 एलएचबी कोचों के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसका उद्देश्य यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप सुरक्षित और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। त्योहारी और मौसमी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 2025 में रेलवे ने 43 हजार से अधिक विशेष ट्रेन यात्राएं संचालित कीं। इनमें महाकुंभ के लिए 17,340, होली के लिए 1,144, समर स्पेशल 12,417 और छठ पूजा के लिए 12,383 विशेष ट्रेनें शामिल रहीं। इससे भीड़ कम करने और यात्रियों को समय पर आवागमन सुविधा देने में मदद मिली भीड़ प्रबंधन और बोर्डिंग से पहले यात्रियों की सुविधा के लिए देशभर के 76 प्रमुख स्टेशनों पर यात्री होल्डिंग एरिया विकसित किए जा रहे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा केंद्र की तर्ज पर तैयार इन क्षेत्रों में शौचालय, टिकटिंग सुविधा, ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन और आरओ पेयजल की व्यवस्था होगी। इन्हें 2026 के त्योहारों के मौसम से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। रेलवे ने टिकटिंग प्रणाली में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य किया है। केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ताओं को ही तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति दी जा रही है। तकनीकी निगरानी के जरिए अवैध बुकिंग पर सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक 5.73 करोड़ संदिग्ध और निष्क्रिय आईआरसीटीसी खातों को निष्क्रिय या निलंबित किया गया है।

यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। वर्ष 2025-26 में सुरक्षा मद के लिए आवंटित बजट का 84 प्रतिशत पहले ही उपयोग किया जा चुका है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या में भी उल्लेखनीय कमी आई है। वर्तमान वित्त वर्ष में सुरक्षा बजट बढ़कर 1.16 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कोहरे से निपटने के लिए फॉग सेफ्टी डिवाइस की संख्या भी तेजी से बढ़ाई गई है। पूरी तरह नॉन-एसी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के माध्यम से किफायती और गुणवत्तापूर्ण यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2025 में 13 नई अमृत भारत ट्रेनें शुरू की गईं, जिससे इनकी कुल संख्या 30 हो गई है।

सेल ने दिसंबर महीने में 2.1 मिलियन टन बिक्री का बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और देश के अग्रणी इस्पात उत्पादकों में से एक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने दिसंबर के दौरान 2.1 मिलियन टन (एमटी) बिक्री दर्ज करके एक और उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की यह उपलब्धि दिसंबर 2024 में हासिल 1.5 एमटी की बिक्री की तुलना में लगभग 37 फीसदी की भारी वृद्धि है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने दिसंबर में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है, जो 2.1 मिलियन टन रही। यह दिसंबर 2024 में दर्ज 1.5 एमटी से 37 फीसदी ज्यादा है। ये दिसंबर 2025 के लिए कंपनी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।देश की महारत्न कंपनी ने इस दौरान विभिन्न उत्पाद श्रेणियों और विक्रय माध्यमों में नए कीर्तिमान स्थापित किए, साथ ही इन्वेंट्री (स्टॉक) में भी महत्वपूर्ण कमी आई है। यह प्रदर्शन सेल द्वारा ग्राहकों को समय पर डिलीवरी देने पर फोकस करने की वजह से रहा। सेल हाल के दिनों में नए उत्साह के साथ ब्रांडिंग पहलों पर भी जोर दे रहा है। दिसंबर के दौरान इस शानदार प्रदर्शन ने सेल को वित्त वर्ष 2025-26 में अपनी विकास गति को बनाए रखने में मदद की है। सेल ने बताया कि अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान कुल बिक्री मात्रा 14.7 मिलियन टन तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 12.6 मिलियन टन की तुलना में लगभग 17 फीसदी की वृद्धि है। कंपनी ने घरेलू बाजार में बनाए गए रिकॉर्ड के अतिरिक्त निर्यात मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो वैश्विक स्तर पर सेल की बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित करती है। कंपनी ने कहा कि ये निरंतर सुधार सेल की मजबूत बाजार उपस्थिति, ग्राहक-केंद्रित पहलों और परिचालन उत्कृष्टता को उजागर करता है।

बीएमएस ने मजदूरों के मुद्दों पर श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया को एक ज्ञापन सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े एवं एक स्वतंत्र और गैर-राजनीतिक केंद्रीय श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से नई दिल्ली में भेंट कर श्रमिकों से जुड़े लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर एक ज्ञापन सौंपा। भारतीय मजदूर संघ के जनरल सेक्रेटरी रविंद्र हिमते के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने मनसुख मंडाविया के साथ बैठक के बाद बताया कि श्रम एवं रोजगार मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बात करेंगे। हिमते ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने बीएमएस द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

ईपीएफ और ईएसआई की वेतन-सीमा में वृद्धि, न्यूनतम पेंशन राशि को 1000 रुपये से पर्याप्त रूप से बढ़ाया जाए। भारतीय श्रम सम्मेलन को शीघ्र आयोजित किया जाए। बोनस गणना की सीमा में वृद्धि। ग्रेच्युटी पात्रता को 15 दिन से बढ़ाकर 30 दिन किया जाए, सभी स्कीम वर्कर्स के मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि में वृद्धि। बीएमएस ने केंद्र सरकार से ये भी मांग की कि संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 की धारा 25(2)(5)(८) का सख्ती से पालन कराया जाए, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि- 'संविदा श्रमिक को उसी प्रतिष्ठान में नियोजित स्थायी कर्मचारी के समान और समान प्रकृति का वेतन दिया जाना चाहिए।' भारतीय मजदूर संघ ने नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों एवं एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की, जो श्रमिकों का शोषण और उत्पीड़न कर रहे हैं। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने देशभर में निजी परिवहन क्षेत्र से जुड़े सभी प्रकार के चालकों के लिए एक कल्याण क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में आईपीओ के विषय में अविलंब समाधान कर बोर्ड स्थापित करने की मांग भी रखी। वहीं, केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने जारी एक बयान में कहा, भारतीय मजदूर संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मुझसे मिला और उन्होंने अपने संगठन की ओर से कई सुझाव और मांगें रखीं। उन्होंने ईपीएफ-95 के तहत मजदूरों और पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम पेंशन बढ़ाने का मुद्दा उठाया और एक राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव भी दिया...।

आईबीबीआई अध्यक्ष रवि मित्तल ने आईआईसीए पीजीआईपी प्रोग्राम की वेबसाइट लॉन्च की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिवालियापन एवं दिवालिया बोर्ड (आईबीबीआई) के अध्यक्ष रवि मित्तल ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) के पीजीआईपी कार्यक्रम की वेबसाइट लॉन्च की। उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स(आईआईसीए) के पीजीआईपी कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि आईबीबीआई अध्यक्ष ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें मजबूत संस्थागत समर्थन का आश्वासन दिया और घोषणा की कि कुछ चयनित पीजीआईपी छात्रों के लिए आईबीबीआई में एक वर्ष की इंटर्नशिप के अवसर सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शोध कार्यकलापों में रुचि रखने वाले छात्र आगामी आईबीबीआई शोध कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर उन्हें

आईबीबीआई के छात्रों की सूची में शामिल होने का अवसर मिलेगा। वेबसाइट लॉन्च कार्यक्रम में स्वागत भाषण आईआईसीए के महानिदेशक और सीईओ ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने दिया, जिन्होंने क्षमता निर्माण, अकादमिक उत्कृष्टता और नियामकों तथा उद्योग के साथ घनिष्ठ जुड़ाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता रेखांकित की। इस कार्यक्रम के दौरान, आईआईसीए के दिवालियापन और दिवालिया केंद्र के विभागाध्यक्ष सुधाकर शुक्ला ने पीजीआईपी केंद्र की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें इसकी अकादमिक कठोरता, उद्योग के साथ संबंध और पूर्व छात्र के बढ़ते नेटवर्क की रूपरेखा शामिल थी मंत्रालय ने कहा कि? यह वेबसाइट पीजीआईपी के पूर्व छात्रों को वर्तमान छात्रों से जोड़ने के लिए बनाया गया एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख जारी है। सोने के भाव में आज 550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी भी आज दिल्ली में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। सर्राफा बाजार में आज आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,830 रुपये से लेकर 1,38,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,27,260 रुपये से लेकर 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु ढाई लाख के स्तर के पार जाकर 2,53,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,38,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,38,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,27,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,38,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,27,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,38,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,27,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,38,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,27,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,38,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,27,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गोयल भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के लिए 8-9 जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 8-9 जनवरी को एक महत्वपूर्ण दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर ब्रसेल्स जाने वाले हैं। यह यात्रा नई दिल्ली और ब्रसेल्स के बीच बढ़ते राजनयिक और तकनीकी संबंधों को दिखाती है, जो भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम का संकेत है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि ये बातचीत भारत-यूरोपीय संघ के आर्थिक संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ पर हो रही है। नौ साल से ज्यादा के ब्रेक के बाद जून 2022 में इन बातचीत को बड़े पैमाने पर फिर से शुरू किया गया, जो आर्थिक इंटीग्रेशन को गहरा करने के लिए आपसी कमिटमेंट को दिखाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि फिर से वार्ता शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों ने 14 राउंड की जोरदार बातचीत और मंत्री स्तर पर कई हाई लेवल वार्ता की हैं, जिसमें सबसे ताजा बातचीत दिसंबर 2025 में हुई थी।

स्टॉक मार्केट में मॉडर्न डाइग्नोस्टिक की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी सर्विस देने वाली कंपनी मॉडर्न डाइग्नॉस्टिक एंड रिसर्च सेंटर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10.56 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 99.50 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। सुबह 10:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 96.22 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 6.91 प्रतिशत के मुनाफे में थे। मॉडर्न डाइग्नॉस्टिक एंड रिसर्च सेंटर का 36.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 376.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 193.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 702.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 342.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 40,99,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मेडिकल इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.73 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। हालांकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 5.79 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ, जो 2024-25 में उछल कर 8.97 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। जहां तक मौजूदा वित्त वर्ष की बात है, तो पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक कंपनी को तीन करोड़ रुपये का लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी का राजस्व 15 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 78.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सीएमएस को एसबीआई की एटीएम देखरेख के लिए मिला 1000 करोड़ रुपये का ठेका

एजेंसी

मुंबई। नकदी प्रबंधन पर केंद्रित सीएमएस इंफो सिस्टम्स को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से उसकी 5000 ऑटोमेटेड टेलर मशीनों (एटीएम) की देखरेख करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। सीएमएस को यह ठेका 1 जनवरी से 10 साल के लिए मिला है।

सीएमएस इंफो सिस्टम्स ने जानकारी दी कि उसे एसबीआई की 5 हजार ऑटोमेटेड टेलर मशीनों (एटीएम) की देखभाल के लिए 1,000 करोड़ रुपये का ठेका एक जनवरी से 10 साल के लिए मिला है। इसमें प्रबंधित सेवाएं, नकदी दक्षता में सुधार और एटीएम की कार्यक्षमता में वृद्धि शामिल है, जिससे लाखों बैंक ग्राहकों को लाभ होगा। कैश

लॉजिस्टिक्स सीएमएस इंफो सिस्टम्स के मुख्य व्यापार अधिकारी अनुष राघवन ने कहा कि इस ठेके से राजस्व में 500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, ''यह दीर्घकालिक अनुबंध लाखों उपभोक्ताओं को निर्बाध स्व-सेवा बैंकिंग के साथ स्थिरता एवं उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करेगा।''

विदेशी निवेशकों ने 2025 में घरेलू शेयर बाजार से 1.66 लाख करोड़ निकाले, आईटी सेक्टर में की सबसे ज्यादा बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर लगातार जारी उतार-चढ़ाव के कारण साल 2025 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की बिक्री करके 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर ली। इस साल विदेशी निवेशकों ने आईटी, एफएमसीजी, पावर, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, रियल्टी, ऑटोमोबाइल, कंस्ट्रक्शन एंड कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स, कैपिटल गुड्स, डायवर्सिफाइड इक्विटीज और टेक्सटाइल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली की। हालांकि, इस साल विदेशी निवेशक टेलीकम्युनिकेशन, ऑयल एंड गैस, सर्विसेज, केमिकल तथा मेटल एंड माइनिंग सेक्टर में खरीदार भी बने रहे। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने आंकड़े के जरिये बताया कि साल 2025 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सबसे ज्यादा बिकवाली आईटी सेक्टर में की। इसी तरह फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) और पावर सेक्टर में भी विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली करते रहे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार 2025 के दौरान विदेशी निवेशकों ने आईटी सेक्टर में 74,698 करोड़ रुपये की बिकवाली की।

एआई हर व्यक्ति और हर उद्यम तक पहुंचेगा, राजस्थान में 5 हजार युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

जयपुर। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में मानव जीवन का अभिन्न अंग बनेगा और इसकी पहुंच हर व्यक्ति, हर घर तथा हर उद्यम तक सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में एआई को समावेशी, सुलभ और जनोपयोगी बनाने की दिशा में ठोस और दूरदर्शी कदम उठाए जा रहे हैं। वैष्णव जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने घोषणा की कि राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संगठनों के सहयोग से नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे, जिनके तहत राज्य के पांच हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही राजस्थान में डेटा सेंटर स्थापित करने की दिशा में शीघ्र आवश्यक प्रक्रियाएं प्रारंभ की जाएंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एआई विकास के क्षेत्र में भारत आज विश्व के शीर्ष तीन देशों चीन, अमेरिका और भारत में शामिल है। विशाल प्रतिभा, मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार आधारित इकोसिस्टम भारत

को वैश्विक स्तर पर एआई नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एआई कंप्यूटिंग सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कॉमन कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जिसके तहत देशभर में कम लागत पर उन्नत कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री के विशेष फोकस के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। बीकानेर से जैसलमेर और अन्य सीमावर्ती इलाकों तक रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करने के कार्य प्रगति पर हैं, जिससे सुरक्षा, विकास और संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस अवसर पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आधार, जनधन, मोबाइल कनेक्टिविटी और डिजिटल सेवाओं के माध्यम से भारत ने ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसे आज विश्व के विकसित देश भी अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि एआई और डिजिटल तकनीक का लाभ बड़े शहरों तक सीमित न रहकर समाज के अंतिम व्यक्ति और गांव तक पहुंचे। प्रसाद ने कहा कि भारत के पास विशाल डेटा संसाधन हैं, जो देश की बड़ी ताकत है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि कौन-सा कंटेंट एआई द्वारा निर्मित है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारत में शीघ्र ही एक वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें अनेक देशों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उद्योग, वाणिज्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सूचना प्रौद्योगिकी सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, आयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी हिमांशु गुप्ता, सीईओ एआई इंडिया अभिषेक सिंह सहित युवा उद्यमी, निवेशक, आईटी प्रोफेशनल्स और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आतिशी के बयान पर दिल्ली विधानसभा में बड़ा हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी के बयान को लेकर हंगामा बढ़ गया है। भाजपा के विधायकों ने आतिशी

पर सिख गुरुओं के अपमान का आरोप लगाकर हंगामा किया। सदस्य कार्रवाई की मां को लेकर विधानसभा में हंगामा करने लगे जिसकी वजह से कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा अध्यक्ष ने एक घंटे के भीतर सदन में आकर आतिशी को अपना पक्ष रखने को कहा। बाद में हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही को गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक अरविंदर सिंह लवली और विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने आतिशी पर गुरु तेग बहादुर के अपमान का आरोप लगाया। कपिल मिश्रा ने कहा कि आतिशी ने जो किया है, वह शर्मनाक है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। हंगामा करते हुए विधायक वेल में आ गए है और हंगामा करने लगे। विधायकों के हाथों में पोस्टर थे जिनमें लिखा था, 'गुरुओं का अपमान नहीं सहेंगे।' विधानसभा में केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी की। सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित करते हुए अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आतिशी एक घंटे में सदन के भीतर आकर अपना पक्ष रखना है। इसके बाद इस विषय पर फैसला किया जाएगा। बाद में कार्यवाही शुरू हुई तो विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मौका देने के बावजूद आतिशी ने कोई सूचना नहीं दी। विधायक मुकेश अहलावत ने कहा है कि वह गोवा चली गई हैं। कल वह प्रदूषण पर चर्चा की मांग कर रही थीं और आज गोवा चली गई। सत्ता पक्ष के सदस्य फिर से वेल में आ गए। हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

दिल्ली के स्कूल ने छात्रों को अंधेरे में रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक निजी स्कूल की गलती की वजह से अधर में लटके 35 छात्रों ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपना भविष्य बचाने की गुहार लगाई। छात्रों की अर्जी सुनने के बाद न्यायालय ने इन्हें तत्काल राहत देने के आदेश दिए। असल में मान्यता समाप्त होने के बाद भी इनके स्कूल ने पढ़ाई जारी रखी थी। बोर्ड परीक्षा नजदीक आने के बाद इन्हें स्कूल के मान्यता समाप्त होने की जानकारी मिली। उच्च न्यायालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड(सीबीएसई) को निर्देश दिए कि वह इन बच्चों को 11वीं कक्षा की परीक्षा का हिस्सा बनने की इजाजत दे। दरअसल, ये छात्र पश्चिमी दिल्ली स्थित रिचमंड ग्लोबल स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र हैं। केंद्रीय माध्यिक शिक्षा बोर्ड(सीबीएसई) ने इस स्कूल की मान्यता मार्च 2025 में समाप्त कर दी, लेकिन स्कूल ने इसकी जानकारी छात्रों को नहीं दी। यहां तक की कक्षा नौवीं से 12वीं तक के छात्रों से लगातार फीस वसूली गई। परीक्षा फीस के नाम पर अलग से राशि ली गई। अब जबकि सत्र की अंतिम परीक्षा नजदीक है। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में छात्रों को सीबीएसई द्वारा मान्यता रद्द करने की जानकारी दी गई। इससे छात्रों का भविष्य खतरे में है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने मंगलवार को इन छात्रों व उनके अभिभावकों समेत अधिवक्ता अशोक अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद सीबीएसई को निर्देश दिया कि इन छात्रों को नजदीक के किसी अन्य स्कूल में दाखिला लेने की अनुमति दें।

सुसाइड बॉम्बर उमर से जुड़ी मस्जिद के पास हटेगा अतिक्रमण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को शहरी विकास मंत्रालय, दिल्ली नगर निगम व दिल्ली वक्फ बोर्ड से एक याचिका पर जवाब मांगा है। तुर्कमान गेट पर सैयद फैज इलाही मस्जिद व कब्रिस्तान से सटी ज़मीन से कथित अतिक्रमण हटाने के आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल यह मामला इस खबर से सुर्खियों में आया कि सुसाइड बॉम्बर उमर उन नबी ने पुरानी दिल्ली में 100 साल पुरानी मस्जिद का दौरा किया था।

भूजल में मिला सीवर का गंदा पानी

दिल्ली के रेन वाटर हार्वेस्टिंग टैंक उगल रहे जहर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की राजधानी में बारिश का पानी जो घरों की छतों से इकट्ठा होकर भूजल को रिचार्ज करने के लिए आता है, वही अब बड़े खतरे का सबब बनता जा रहा है। दिल्ली जल बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को एक हैरान करने वाली रिपोर्ट सौंपी है। सितंबर 2025 में द्वारका के कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज के 144 रेनवाटर हार्वेस्टिंग पिट्स से सैंपल लिए गए, तो 124 पिट्स में फेकल कोलीफॉर्म (मल-जनित बैक्टीरिया) की मौजूदगी पाई गई। यानी ज्यादातर जगहों पर सीवर का गंदा पानी इन पिट्स में मिल रहा है।

ये पूरा मामला फरवरी 2023 से एनजीटी में चल रहा है, जब एक द्वारका निवासी ने शिकायत की कि सोसाइटियों के रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम गलत तरीके से बने हैं और इससे भूजल प्रदूषित हो रहा है। मई 2023 में एनजीटी की एक्सपर्ट कमिटी ने दिल्ली जल बोर्ड और डीपीसीसी के साथ मिलकर 235 सोसाइटियों की जांच की, जिसमें 180 जगहों पर अमोनियाकल नाइट्रोजन और टीडीएस का स्तर बहुत ज्यादा पाया गया। उसके बाद मार्च 2025 तक की रिपोर्ट में 115 सोसाइटियों में फेकल कोलीफॉर्म की पुष्टि हुई।

अब सितंबर 2025 की ताजा जांच में हालात और बिगड़े नजर आए ङ्क 144 सैंपलों में 124 दूषित, 8 सूखे, 7 में रिपेयर चल रहा, 2 पूरी तरह बंद पड़े और तीन सोसाइटियों ने तो सैंपल लेने तक से मना कर दिया। फेकल कोलीफॉर्म का मिलना बेहद गंभीर है क्योंकि ये मल-जनित बैक्टीरिया हैं, जो सीधे सीवर से आते हैं। इससे भूजल में प्रदूषण फैल रहा है, जो आगे चलकर पीने के पानी को भी जहरीला बना सकता है और स्वास्थ्य पर बड़ा संकट ला सकता है। जल बोर्ड अब सख्त कदम उठा रही है। उसने दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी से दोषी सोसाइटियों पर पर्यावरणीय मुआवजा लगवाने की मांग की है। कई सोसाइटियों से पानी के बिल पर मिलने वाली 10त्न छूट वापस ली जा चुकी है और पानी कनेक्शन काटने की प्रक्रिया भी चल रही है। सभी सोसाइटियों को मौखिक और लिखित रूप से चेतावनी दी जा रही है कि वे अपने सिस्टम को मानकों के अनुसार ठीक करें। साथ ही अगस्त 2025 में जल बोर्ड ने दिल्ली के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसमें साफ कहा गया है कि रेनवाटर पिट्स स्टॉर्मवाटर ड्रेन के पास न बनाए जाएं, पहली बारिश को अलग बाईपास किया जाए ताकि गंदगी भूजल में न घुसे और ग्राउंडवाटर लेवल की निगरानी के लिए पाइजोमीटर लगाने पर भी जोर दिया गया है।

केजीपी का सफर बनेगा आसान

कासना टू सिरसा गोलचक्कर तक 8 लेन का होगा रोड

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में कासना से सिरसा गोलचक्कर होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) के इंटरचेंज तक आवागमन अब और आसान हो जाएगी। प्राधिकरण ने कासना से सिरसा तक सड़क को चौड़ा करने और सिरसा से इंटरचेंज तक मरम्मत कराने का निर्णय लिया है।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक कासना से सिरसा गोलचक्कर तक सड़क चौड़ी करने का काम मार्च में शुरू हो जाएगा। इसे 8 लेन का किया जा रहा है। कासना से सिरसा होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे एंट्री पॉइंट तक हर रोज हजारों वाहन गुजरते हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान जल्द शुरू होने के बाद इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा। इसको देखते हुए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने दोनों सड़कों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने कासना से सिरसा तक सड़क को चौड़ा करने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले दो माह में कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इस मार्ग की लंबाई 2 किलोमीटर है। वर्तमान में यह तीन-तीन लेन की है। इसे चार-चार लेन किया जाएगा। विकास कार्य पर लगभग 9.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के सिरसा स्थित इंटरचेंज तक सड़क की मरम्मत का कार्य मिलिंग पद्धति से किया जाएगा। इस पद्धति से सड़क का निर्माण होने से सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ती। साथ ही, रि-साइकिल मैटेरियल का इस्तेमाल होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और लागत भी कम आती है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह काम छह माह में पूरा किया जाएगा। इंटरचेंज के पास सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। लोगों को परेशानी होती है।

भाजपा सरकार एक खास धर्म को बना रही निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पुराने इलाके में देर रात एमसीडी की टीम ने फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर हुई, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध ने इसे हिंसक मोड़ दे दिया। पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि 10 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। पूरी घटना ने राजनीतिक बहस को भी हवा दे दी है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि ऐसा लगता है कि बीजेपी सरकार एक खास धर्म को निशाना बना रही है।

इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि अवैध संरचनाओं को हटाना सही कदम है, लेकिन भाजपा सरकार पर एक खास धर्म को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷अगर यह कार्रवाई अवैध ढांचों को हटाने के लिए की जा रही है तो यह ठीक है। लेकिन ऐसा लगता है कि बीजेपी सरकार एक खास धर्म को निशाना बना रही है। एमसीडी या कोर्ट के आदेशों का पालन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ हिंसा करना सही नहीं है।÷ दीक्षित ने देर रात कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ये कार्रवाई दिन में होती तो लोगों के पास अपनी बात रखने का जरूरी दस्तावेज दिखाने का मौका होता।

वहीं, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई हो रही है, दोषियों को सजा मिलेगी। एमसीडी की टीम ने बुधवार तड़के करीब 1:30 बजे तुर्कमान गेट इलाके में बुलडोजर चलाए। यह अभियान रमलीला मैदान के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास के अतिक्रमण को हटाने के लिए था, जिसमें सड़कें, फुटपाथ, बैंक्वेट हॉल और एक डायग्नोस्टिक सेंटर जैसी अवैध संरचनाएं शामिल थीं।

दिल्ली में हुई पत्थरबाजी पर बोले दिल्ली के गृह मंत्री-इस हरकत की इजाजत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में रामलीला मैदान के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद से सटे कथित अवैध अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई सुबह-सुबह पूरी हो गई, लेकिन कुछ शरारती तत्वों ने इसे मौका बनाकर हंगामा खड़ा कर दिया। देर रात उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पत्थरबाजी की। इस घटना पर दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद का बयान सामने आया है।

गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि फ़ैज़ ए इलाही में अदालत के आदेश पर कार्रवाई हुई है। मस्जिद से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। कुछ असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है जिनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कानून में किसी को इस तरह की हरकत की इजाजत नहीं है। अभी तक इस मामले में पांच लोग गिरफ्तार हुए हैं। आगे भी कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर एमसीडी ने तड़के ही 17 से ज्यादा बुलडोजरों के साथ ऑपरेशन शुरू किया। बारात घर और डायग्नोस्टिक सेंटर जैसी इमारतें, जो सरकारी

जमीन पर कब्जा जमाए बैठी थीं, उन्हें जमींदोज कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि ये कार्रवाई पूरी तरह कानूनी थी और सिर्फ अतिक्रमण हटाने तक सीमित रही।

कार्रवाई शुरू होते ही कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस और एमसीडी टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। लेकिन दिल्ली पुलिस ने हिम्मत नहीं हारी - हल्के आंसू गैस का इस्तेमाल कर माहौल काबू में किया और स्थिति सामान्य कर दी। अब सीसीटीवी और बॉडी कैम फुटेज से शरारती लोगों की पहचान हो रही है। अब तक इस मामले में करीब पांच से दस लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे भी सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

70 हुई उम्र तो आंख जांच है जरूरी ! वरना ब्रिटेन सरकार नहीं चलाने देगी आपकी गाड़ी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए ड्राइविंग नियमों में ऐतिहासिक बदलाव करने जा रही है। नए प्रस्ताव के मुताबिक अब 70 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग ड्राइवरों के लिए अपना ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराते समय आंखों की जांच कराना अनिवार्य होगा। यदि कोई ड्राइवर इस टेस्ट को पास नहीं कर पाता या जांच कराने से इनकार करता है तो उसके गाड़ी चलाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी जाएगी। ब्रिटेन में वर्तमान में लागू व्यवस्था सेल्फ-रिपोर्टिंग पर आधारित है। इसका मतलब है कि 70 साल से ऊपर के ड्राइवरों को खुद ही यह बताना होता है कि उनकी नजर गाड़ी चलाने के लिए ठीक है या नहीं। सरकार का मानना है कि यह सिस्टम लोगों की जान बचाने में विफल रहा है।

24 प्रतिशत मौतें: साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार सड़क हादसों में जान गंवाने वाले ड्राइवरों में से 24 प्रतिशत की उम्र 70 वर्ष से ज्यादा थी। 12त्न शिकारः कुल सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों में 12 प्रतिशत बुजुर्ग ड्राइवर शामिल थे। एक सर्वे में सामने आया कि 56त्न नेत्र विशेषज्ञों ने पिछले एक महीने में ऐसे मरीज देखे जो नजर कमजोर होने के बावजूद ड्राइविंग कर रहे थे। वहीं 14 प्रतिशत लोगों ने माना कि उनके रिश्तेदार आंखों की समस्या के बावजूद कानून तोड़ रहे हैं। ब्रिटेन में अभी 70 साल की उम्र के बाद हर तीन साल में लाइसेंस रिन्यू कराना पड़ता है। नए प्रस्ताव के तहतः लाइसेंस रिन्यूअल को अनिवार्य आंखों की जांच से जोड़ दिया जाएगा।

अनफिट ड्राइवरों पर नजरः जो लोग पहले ही अनफिट घोषित किए जा चुके हैं लेकिन फिर भी गाड़ी चला रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई होगी। भारत में भी बढ़ती उम्र के साथ ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों में सख्ती बरती जाती हैः

मेडिकल सर्टिफिकेटः भारत के नियमों के अनुसार 50 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को लाइसेंस रिन्यू कराते समय अनिवार्य रूप से चिकित्सा प्रमाण पत्र देना होता है। शारीरिक स्वास्थ्यः आवेदक का शारीरिक और मानसिक रूप से वाहन चलाने के लिए पूरी तरह स्वस्थ होना अनिवार्य है।

चैटजीपीटी ने सिखाया 18 साल के लड़के को ड्रग्स लेने का सही तरीका

कैलिफ़ोर्निया एजेंसी।
कैलिफ़ोर्निया के 18 वर्षीय सैम नेल्सन ने कई महीनों तक ओपनएआई का चैटजीपीटी का इस्तेमाल ड्रग्स और नशे के बारे में जानकारी लेने के लिए किया। उनकी मां, लीला टर्नर-स्कॉट के अनुसार, सैम कॉलेज की तैयारी कर रहा था और उसने चैटबॉट से पूछा कि क्रैटम का कितना सेवन करने पर तेज़ नशा आएगा। क्रैटम एक पौधे से बनी दर्द निवारक दवा है, जो अमेरिका में स्मोक शॉप और गैस स्टेशनों पर आसानी से मिलती है।

शुरुआत में चैटबॉट ने उसे ड्रग्स के इस्तेमाल पर सलाह देने से मना किया और हेल्थ केयर प्रोफेशनल से मदद लेने की सलाह दी। लेकिन, सैम ने चैट खत्म करते हुए लिखा, उम्मीद है कि मैं ओवरडोज़ नहीं करूंगा। लेकिन महीनों तक चैटबॉट के साथ बातचीत के दौरान, कथित तौर पर यह किशोर को ड्रग्स लेने और उनके असर को मैनेज करने के तरीके सिखाने लगा। सैम ने एक बातचीत में लिखा, हाँ बिल्कुल चलो फुल ट्रिपी मोड में चलते हैं, जिसके बाद कथित तौर पर चैटबॉट ने उसे मतिभ्रम बढ़ाने के लिए कफ सिरप की मात्रा दोगुनी करने की सलाह दी। लीला ने बताया कि चैटबॉट बार-बार प्यार भरे मैसेज और लगातार प्रोत्साहन देता रहा। फरवरी 2023 में हुई बातचीत के दौरान, सैम ने पूछा कि क्या ज़ैनैक्स की अधिक मात्रा लेते समय गांजा पीना सुरक्षित है। चैटबॉट ने चेतावनी दी कि यह खतरनाक है, तो सैम ने शब्द बदलकर मीडियम मात्रा लिख दी। मई 2025 में सैम ने अपनी मां को बताया कि चैटबॉट के साथ हुई बातचीत के कारण वह ड्रग्स और शराब का आदि बन गया है। उसे तुरंत एक क्लिनिक में ले जाया गया, जहां प्रोफेशनल्स ने उपचार का प्लान बताया। हालांकि, अगले ही दिन सैम ने अपने सैन होज़े के बेडरूम में ओवरडोज़ के कारण दम तोड़ दिया। उसकी मां ने कहा, मुझे पता था कि वह इसका इस्तेमाल कर रहा है, लेकिन मुझे कोई अंदाज़ा नहीं था कि स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है।

पूरी दुनिया में वेनेजुएला में मिलता है सबसे सस्ता पेट्रोल

सऊदी अरब से भी बड़ा तेल भंडार, अविश्वसनीय रूप से सस्ता पेट्रोल

ताराकस, एजेंसी।
हाल ही में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में वेनेजुएला ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के तहत वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में ले लिया गया है। लेकिन वेनेजुएला चर्चा में सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं है। यह देश अपने विशाल प्राकृतिक संसाधनों और तेल के भंडार के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

वेनेजुएला में पेट्रोल की कीमतें बेहद कम हैं। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 0.01 से 0.035 डॉलर के बीच है, यानी

भारतीय मुद्रा में महज 1 से 3 रुपये प्रति लीटर। इस वजह से आम आदमी की जेब पर बहुत हल्का असर पड़ता है। उदाहरण के लिए, 35-50 लीटर क्षमता वाले फ्यूल टैंक को फुल करने के लिए सिर्फ 50 से 150 रुपये खर्च होते हैं, जबकि भारत और अन्य देशों में इसकी कीमत हजारों में होती है।

वेनेजुएला की पेट्रोल बिक्री में 'दोहरी ईंधन प्रणाली' लागू है। इसमें एक तरफ है सब्सिडी वाला पेट्रोल, जो आम जनता के लिए बेहद सस्ता है। वहीं, दूसरा विकल्प है 'प्रीमियम पेट्रोल', जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से तय होती है और यह काफी महंगा होता है। प्रीमियम पेट्रोल की कीमत लगभग 42 रुपये प्रति लीटर है। यदि कोई वाहन चालक अपनी 50 लीटर की टंकी भरवाता है, तो उसे लगभग 20-25 डॉलर (1700-2100 रुपये) खर्च करने पड़ते हैं। यह दुनिया के कई देशों की तुलना में सस्ता है, लेकिन देश के स्थानीय सब्सिडी वाले रेट से काफी ज्यादा है। 2023 तक वेनेजुएला के पास 303 बिलियन बैरल तेल मौजूद था। यह आंकड़ा सऊदी अरब के 267.2 बिलियन बैरल और ईरान के 208.6 बिलियन बैरल से भी ज्यादा है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी का अमेरिका को करारा जवाब

ताराकस, एजेंसी।
वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के नेतृत्व में सत्ता परिवर्तन के दावों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि वेनेजुएला पर किसी भी विदेशी शक्ति का शासन नहीं है और देश का संचालन पूरी तरह उसकी अपनी सरकार कर रही है। राज्य संचालित चैनल वीटीवी पर प्रसारित बयान में रोड्रिगेज ने कहा, हम जनता के साथ मिलकर शासन कर रहे हैं। वेनेजुएला पर सिर्फ वेनेजुएला की सरकार का अधिकार है। कोई बाहरी एजेंट हमारे देश को नियंत्रित नहीं कर रहा।यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका को वेनेजुएला तक पूर्ण पहुंच चाहिए और वहां एक संक्रमण प्रक्रिया चलाई जा रही है। डेल्सी रोड्रिगेज ने बताया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद देशभर में लोग सड़कों पर उतर आए हैं और गिरफ्तार किए गए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी

सिलिया फ्लोरेस की रिहाई की मांग कर रहे हैं। दोनों को 3 जनवरी की तड़के कराकास में हुए अमेरिकी ऑपरेशन के बाद हिरासत में लिया गया था और वे फिलहाल न्यूयॉर्क की मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद हैं। हालांकि, रोड्रिगेज की वैधता पर भी सवाल उठ रहे हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता और विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचाडो ने उन पर भ्रष्टाचार, मानवाधिकार उल्लंघन और रूस व ईरान से संबंधों के गंभीर आरोप लगाए हैं।

इन सबके बीच रोड्रिगेज ने अमेरिकी हमले में मारे गए लोगों की याद में सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। उन्होंने कहा,ये वे युवा थे जिन्होंने वेनेजुएला और राष्ट्रपति मादुरो की रक्षा करते हुए अपने प्राण दिए।उन्होंने यह भी कहा कि वेनेजुएला युद्ध नहीं चाहता।हम शांति का देश हैं। हम पर हमला किया गया, हमने आक्रमण नहीं किया। उधर, राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि वेनेजुएला की अंतरिम अथॉरिटी अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी।

प्रदेश में रूफ टॉप सोलर योजनाओं को बढावा दें

पीएम सूर्य घर एवं 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना की प्रगति की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं राज्य की 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर गुरूवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार गैर नवीकरणीय ऊर्जा पर स्त्रोतों पर निर्भरता कम कर प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी कार्यालयों में भी सोलर रूफ टॉप इंस्टॉलेशन कराने की दिशा में अधिक से अधिक कार्य हो। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा राज्य सरकार इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा जाए और समयबद्ध लक्ष्य निर्धारण के साथ प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। गौरतलब है कि प्रदेश में अब तक प्रधानमंत्री सूर्य योजना के तहत 1,23,701 रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा जा चुके हैं और राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवे स्थान पर है। यह प्रगति प्रदेश को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना रही है। बैठक में प्रदेश में रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन की वर्तमान स्थिति, स्वीकृत एवं लंबित आवेदनों की संख्या, सब्सिडी स्वीकृति तथा ग्रिड कनेक्शन की प्रगति का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता ने सरकारी कार्यालयों को सोलर रूफ टॉप से जोड़ने की दिशा में हुई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजिताभ शर्मा, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया, राजस्थान डिस्कॉम की अध्यक्ष सुआरती डोगरा भी उपस्थित रहीं।

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह आयोजित, दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के नवजीवन में प्रवेश का आनंदोत्सव-राज्यपाल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरीभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के नवजीवन में प्रवेश का आनंदोत्सव है। उन्होंने इसके लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 35 विद्यार्थियों में से 25 छात्राएं हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, पिछड़े एवं वंचित समाज को मुख्य धारा में लाने का एकमात्र साधन शिक्षा है। हमें अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि यह शिक्षा का मूल है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि सबके लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सके। राज्यपाल बागडे गुरुवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के माही भवन में आयोजित सप्तम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के लिए प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का निर्माण करने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई से आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास हुआ है, इसे और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को आजीवन ज्ञान की खोज में लगे रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मविश्वास - आत्मबल की आवश्यकता होती है। इसके लिए निरंतर अभ्यास एवं कठोर परिश्रम की जरूरत है। कठोर परिश्रम से हम जीवन को बेहतर बना सकते हैं। हमें जीवन में परिश्रम का निश्चय करना चाहिए। बागडे ने कहा कि नैतिक आचरण हमारी संस्कृति और परंपरा है। दुनिया में जब कहीं कोई विश्विद्यालय नहीं था, तब भारत में तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। हमारी ज्ञान परंपरा वहां से चली आ रही है। हमें अपने पूर्व ज्ञान और इतिहास को अपनाने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को भारत का स्वर्णिम गौरव लाने का प्रण करना चाहिए। अगर हम प्रयास करेंगे तो तक्षशिला-नालंदा का इतिहास फिर लौट कर आएगा। उन्होंने सभी से राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में राज्यपाल द्वारा 29 विद्यावाचस्पति अभ्यर्थियों को उपाधि एवं 35 अभ्यर्थियों को उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। राज्यपाल द्वारा स्नातक के 29397 व स्नातकोत्तर के 3903 तथा 29 विद्यावाचस्पति सहित कुल 33329 अभ्यर्थियों को दीक्षा प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर केशव सिंह ठाकुर द्वारा स्वागत उद्बोधन और विश्वविद्यालय प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

दुश्मन के बंकर पर गरजा सेना का टैंक

हेलिकॉप्टर से कूदे जवान, स्नाइपर ने आतंकवादी को किया ढेर, सेना का लाइव ऑपरेशन डेमोंस्ट्रेशन

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। सेना के जवानों ने हेलिकॉप्टर से 100 फीट ऊंचाई से छलांग लगाई। नैनो ड्रोन की मदद से घर के अंदर छुपे आतंकवादियों की लोकेशन ट्रेस की। स्नाइपर ने एक आतंकवादी को ढेर किया। जवान गेट तक पहुंचे और ब्लास्ट कर आतंकवादियों को उलझा कर वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लाए। यह नजारा था जयपुर में गुरुवार को सेना के लाइव ऑपरेशन डेमोंस्ट्रेशन का। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन संस्थान में Know Your Army यानी 'अपनी सेना को जानें' कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया। इस दौरान सेना की ओर से ब्रिगेडियर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में भारतीय सेना के आधुनिक हथियारों, सैन्य उपकरणों और युद्ध के दौरान इस्तेमाल होने वाली तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। जयपुर में 15 जनवरी को 78वां आर्मी डे मनाया जाएगा। यह पहला मौका है जब आर्मी डे पर होने वाली मुख्य परेड सैन्य छावनी से बाहर आम लोगों के बीच सड़कों पर आयोजित की जा रही है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की दो दिवसीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा तकनीकी नवाचारों से राजस्थान में सख्त प्रवर्तन और पारदर्शी व्यवस्था की शुरुआत -उप मुख्यमंत्री, डॉ. प्रेमचंद बैरवा

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजस्थान में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने एवं परिवहन व्यवस्था को पूर्णतः पारदर्शी बनाने की दिशा में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा तकनीकी नवाचारों से राज्य में सख्त प्रवर्तन और पारदर्शी व्यवस्था की शुरुआत की गई है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित दो दिवसीय उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के अंतिम दिन राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा राज्य में सड़क सुरक्षा, ई-गवर्नेंस एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रमुख नवाचारों एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने प्रदेश के 150 से अधिक टोल नाकों पर ई-डिटेक्शन सिस्टम लागू करते हुए बिना परमिट, बिना फिटनेस, बिना टैक्स एवं बिना पीयूसी वाहनों पर लाखों चालान जारी किए हैं, जिनसे लगभग 500 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि वसूलनीय है। इसे और प्रभावी बनाने हेतु ऑटो मोड चालान प्रणाली विकसित की जा रही है तथा जुर्माना वसूली को फास्टैग से जोड़ने पर विचार किया जा सकता है। डॉ. बैरवा ने बताया कि खनिज विभाग से ओवरलोड वाहनों हेतु जारी होने वाले ई-रवन्ना को ई-चालान प्रणाली से एकीकृत कर दिया गया है, जिसके लिए 15 दिवस का नोटिस जारी किया गया है। नागरिकों के लिए सभी ऑनलाइन सेवाएँ अब केवल सिटीजन पोर्टल के माध्यम से ही उपलब्ध होंगी, कार्यालयों में प्रत्यक्ष एंट्री बंद कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वाहन सॉफ्टवेयर में डुप्लीकेशन लगभग समाप्त कर दिया गया है तथा 25 ड्राइविंग ट्रैक को सीएसआर के अंतर्गत ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक में बदला जा रहा है, जिनमें से अब तक 8 ट्रैक पूर्णतः ऑटोमेटेड किए जा चुके हैं। विभागीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु पोस्ट मशीन व कार्यालयों में नकद लेन-देन बंद कर दिया गया है, चालान भुगतान केवल कार्ड एवं यूपीआई से ही स्वीकार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही फर्जी पते पर पंजीयन एवं लाइसेंस पर रोक लगाने के लिए रजिस्टर्ड किरायानामा अनिवार्य कर दिया गया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत प्रदेश के सभी 41 जिलों में प्रतिदिन सड़क सुरक्षा गतिविधियों का कैलेंडर तैयार कर एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग, हेल्थ एवं रिस्पॉन्सिव टेप ड्राइव चलाई जा रही है। इस अभियान से माह भर में 2 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुँचने का लक्ष्य रखा गया है। सभी गतिविधियाँ %माय भारत पोर्टल% पर भी अपलोड की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री आयुष्मान एवं सड़क सुरक्षा योजनाएँ

डॉ. बैरवा ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के अंतर्गत अब तक 215 गुड सेमेरिटन को 10,000 रुपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री आयुष्मान सड़क सुरक्षा योजना के अंतर्गत दुर्घटना पीड़ितों को 72 घंटे तक नि:शुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है, जिससे अब तक 30,000 से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं तथा 60 करोड़ रुपये से अधिक व्यय किया जा चुका है। इसके साथ ही हिट एंड रन योजना के अंतर्गत 500 पंजीकृत प्रकरणों में से 269 मामलों में सहायता राशि वितरित की जा चुकी है।

ई-डार एवं सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अक्टूबर 2021 से अब तक 1,32,965 सड़क दुर्घटनाएँ ई-डार पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी हैं तथा सभी एफआईआर में ई-डार आई डी को अनिवार्य किया गया है। सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 12 जिलों में स्वयंसेवक चिन्हित किए गए हैं तथा शेष जिलों में न्यूनतम 20-20 स्वयंसेवक जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

जीरो-फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम

उन्होंने बताया कि देश के सर्वाधिक दुर्घटना मृत्यु वाले 100 जिलों में से राजस्थान के 8 जिले चिन्हित किए गए हैं, जिनमें प्राथमिकता से कार्ययोजना लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम 2.0 में चौपहिया व्यावसायिक वाहनों को भी शामिल करना चाहिए साथ ही दिव्यांगों की सुविधा हेतु इंट्रासिटी बसों के फ्लोर की ऊंचाई कम करने का सुझाव भी केंद्रीय मंत्री को दिया। डॉ. बैरवा ने बताया कि जन विश्वास अधिनियम 2.0 के अंतर्गत मोटर व्हीकल एक्ट में कई संशोधन प्रस्तावित हैं, जिनमें डीलर की परिभाषा का विस्तार, ट्रेड सर्टिफिकेट अनिवार्यता, निगम बसों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए पैनिक बटन एवं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम स्थापित किए गए हैं तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से बसों की लाइव लोकेशन उपलब्ध कराई जा रही है।

राजस्थान में डिजिटल हेल्थ और एआई के क्रियान्वयन पर क्षेत्रीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के नैतिक और साक्ष्य-आधारित विस्तार पर दिया जोर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। आईआईएचएमआर (IIHMR) स्टार्टअप्स, जयपुर द्वारा गुरुवार को 'राजस्थान डिजिटल हेल्थ रिसर्च एवं एआई कार्यान्वयन रणनीति' विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), राजस्थान के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने की। सम्मेलन में सरकार, शिक्षा जगत, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग तथा सिविल सोसाइटी के विषय विशेषज्ञों evam start up companyo ने शिरकत की। परामर्श बैठक में चर्चाओं के माध्यम से राज्य की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने डिजिटल हेल्थ और एआई (AI) पहलों को राजस्थान की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के साथ जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने जमीनी स्तर की चुनौतियों और कार्यान्वयन की वास्तविकताओं को साझा करते हुए कहा कि तकनीकी नवाचारों को सिस्टम की तैयारियों और नैतिक मापदंडों के साथ संरेखित करना अनिवार्य है। डॉ. यादव ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में कौशल उन्नयन सके लिए सरकारी सहयोग के अवसरों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र के दौरान डॉ. बी. लाल क्लीनिकल लेबोरेटरी के सीटीओ श्री अविनाश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के सीमित प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने डेटा की खराब गुणवत्ता, मानकीकरण की कमी और एकीकरण की चुनौतियों को एआई अपनाने के मार्ग में मुख्य बाधा बताया। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एवं आईआईएचएमआर फाउंडेशन के निदेशक डॉ. पी. आर. सोडानी ने कहा कि जिम्मेदार एआई के लिए मजबूत शासन ढांचे की आवश्यकता है। उन्होंने शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की भूमिका को रेखांकित किया। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों का संचालन आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों डॉ. स्वप्निल गढ़वे, डॉ. पियूषा मजूमदार, डॉ. रितु वशिष्ठ, डॉ. विनोद कुमार एस. वी. तथा डॉ. काजल सितलानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल समन्वय में आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स टीम के श्री अभिषेक गुप्ता, श्री कुशल पारेख और श्री शिवम वर्मा का विशेष योगदान रहा।

झीलों की नगरी में 'सहकार से समृद्धि' पर मंथन शुरू

सहकारिता क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए आयोजित हो रही दो दिवसीय कॉफ्रेन्स

नियमों के सरलीकरण, बैंकिंग सुधार और संस्थागत समन्वय पर जोर

समावेशी विकास की परिकल्पना को साकार करने के लिए सहकारिता को मजबूत करना आवश्यक- सचिव, सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ दो दिवसीय कॉफ्रेन्स का शुभारंभ गुरूवार को उदयपुर स्थित होटल अरावली में हुआ। बैठक में सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सहकारिता विभाग के सचिव व रजिस्ट्रार भाग ले रहे हैं। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने दीप प्रज्वलन कर इस कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ किया। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल भी इस अवसर पर मंचासीन रहे।

कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि सहकार के बिना समृद्धि संभव नहीं है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए नियमों का सरलीकरण, बैंकिंग व्यवस्था में सुधार तथा विभिन्न संस्थाओं के बीच प्रभावी तालमेल अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने गुजरात के बनासकांठा जिले के सफल सहकारिता मॉडल का उल्लेख करते हुए बताया कि रेगिस्तानी क्षेत्र होने के बावजूद वहाँ वृक्षारोपण और डेयरी सेक्टर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने अधिकारियों से जिलों और गांवों का दौरा कर आमजन से प्रत्यक्ष फीडबैक लेने की आवश्यकता जाहिर की।

डॉ. भूटानी ने सहकारी बैंकिंग का उल्लेख करते हुए दोहरे नियंत्रण से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों के बोर्ड के सुचारु संचालन और शाखा विस्तार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई द्वारा बिना पूर्व अनुमति 10 शाखाएं खोलने की छूट दी गई है, बैंकों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी विभिन्न संस्थाएं अलग-अलग मंत्रालयों के अधीन हैं। इन संस्थाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय तालमेल और समन्वय आवश्यक है। डॉ. भूटानी ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तहत राज्यों से अपेक्षा की गई है कि वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार नीति को कस्टमाइज कर राष्ट्रीय नीति के साथ एकीकृत करें। उन्होंने पैक्स, डेयरी और मत्स्य पालन समितियों में सदस्यता विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार आदि राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।

सहकारिता मंत्रालय के सचिव ने कहा कि सहकारी सेक्टर अपने बूते सशक्त हो, इसके लिए सहकारिता में सहकार पर विशेष फोकस किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकारी सेक्टर में क्षमता वर्धन और प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, जिससे सहकारिता आंदोलन को नई गति मिल सके।

सहकारिता मंत्रालय के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ जैन ने उद्घाटन सत्र में पीपीटी के माध्यम से देश में सहकारिता की विकास यात्रा, आगामी कार्ययोजना, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपेक्षाओं पर ओवरव्यू प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक वृहत् क्षेत्र है, जिसकी गांव-गांव तक पहुंच है तथा देश की अर्थव्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। जैन ने सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला, साथ ही कहा कि वर्तमान में सहकारी क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है, जिसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के महत्व को पहचानकर देश में 6 जुलाई, 2021 को सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया। मंत्रालय द्वारा 100 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2047 तक देश की जीडीपी में सहकारी क्षेत्र का योगदान 3 गुना तक बढ़ाये जाने का लक्ष्य है। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार श्रीमती आनन्दी ने उदयपुर में सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस कॉन्फ्रेंस की मेजबानी करना राजस्थान के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में सहकारी आन्दोलन केवल सुधारों के दौर से ही नहीं बल्कि एक नई कल्पना के दौर से भी गुजर रहा है। वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य में सहकारी समितियां आर्थिक रूप से सशक्त इकाइयों के रूप में उभर रही हैं। भारत में माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के सहकार से समृद्धि के विजन ने इसे एक नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी इस सुधार यात्रा का हिस्सा है और प्रदेश ने राष्ट्रीय विजन के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दौरान सहकार से समृद्धि की पहलों की विस्तार से समीक्षा एवं भविष्य की रणनीति पर चर्चा की जा रही है।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ रुपवास के बंशीपहाड़पुर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, पोकलेन मशीन व वाहन जब्त

भरतपुर जोन में 93 कार्रवाई में पोकलेन सहित 56 वाहन मशीनरी जब्त -जोन में 10 एफआईआर, 8 गिरफ्तारी, 33764 टन खनिज जब्त, 29.55 लाख जुर्माना वसूल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाईयां जारी हैं। खनिज विभाग रुपवास की टीम ने रुपवास तहसील के तिर्गरा खोरी गांव में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पोकलेन मशीन, खनन कार्य में उपयोग में लिया जाने वाला पम्पयुक्त ट्रेक्टर और वाहन जब्त किये हैं। अधीक्षण खनि अभियंता सुनील कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में बड़ी कार्रवाई में बंशीपहाड़पुर क्षेत्र में अवैध खनन पर मशीन जब्ती और खननकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की है। इसमें एक पोकलेन मशीन, एक ट्रोला एवं एक ट्रेक्टर पम्प जब्त किये जाकर पुलिस थाना रूदावल की सूपुर्दगी में दिये गये। एसएमई सुनील कुमार शर्मा के अनुसार अभियान के दौरान भरतपुर जोन में अब तक 93 कार्रवाई करते हुए 10 एफआईआर दर्ज कराई गई है जिसमें से 9 एफआईआर करौली व एक एफआईआर रुपवास में दर्ज हुई है। इसी तरह से जोन में करौली में 8 गिरफ्तारियां भी हुई है। जोन में सवाईमाधोपुर में 33743 टन अवैध भण्डारित खनिज सहित 33764 टन खनिज जब्त किया जा चुका है। एक पोकलेन मशीन सहित 56 वाहन जब्त करने के साथ ही 29 लाख 55 हजार रुपए की जुर्माना राशि राजकोष में जमा हो चुकी है। जोन में सवाईमााधोपुर में 41, रुपवास में 22, करौली में 14 और डीग भरतपुर में 16 कार्रवाई की गई है।

राज्यपाल ने कटियोर में ग्रामीणों व स्कूली बच्चों से किया संवाद, ग्राम्य उत्थान के लिए शिक्षा एवं जागरुकता सर्वोपरि - राज्यपाल

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को बांसवाड़ा यात्रा के दौरान गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत गोद लिये ग्राम कटियोर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत की और ग्रामीणों व स्कूल के बच्चों से संवाद किया। राज्यपाल ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करते हुए ग्राम्य जनजीवन, ग्रामीणों के उत्थान के लिए हो रहे प्रयासों, बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं तथा रहन-सहन एवं परिवेशीय पहलुओं पर आत्मीय चर्चा की। उन्होंने स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त ग्राम्य शक्ति को राष्ट्रीय मजबूती का मूलाधार बताते हुए ग्रामीणों से इस दिशा में शिक्षा एवं जागरुकता के साथ आगे आने का आह्वान किया और कहा है कि विकसित ग्रामों से ही विकसित भारत की संकल्पना मजबूती से आगे बढ़ेगी। राज्यपाल बागडे ने ग्रामीणों से जीवन को आनन्दमयी एवं सुख-समृद्धिवान बनाने के लिए शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दिया और कहा कि इसके लिए अपने परिवार को शिक्षित बनाने पर सर्वोपरि ध्यान केन्द्रित करें। राज्यपाल ने कहा कि गरीबी और पिछड़ापन से मुक्ति के लिए शिक्षा सशक्त माध्यम है। इसे जानकर केन्द्र व राज्य सरकार शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है, उसका पूरा-पूरा लाभ लेते हुए सम्पूर्ण शिक्षित समाज और क्षेत्र बनाएं और सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में अपनी सहभागिता अच्छी तरह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के उत्थान व बहुआयामी विकास के लिए व्यापक पैमाने पर लाभकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, इनका लाभ लेने के लिए जागरुकता के साथ पहल करें और पारिवारिक उन्नति पाएं। पशुपालन और डेयरी को ग्राम्य समृद्धि का मूलाधार निरूपित करते हुए राज्यपाल ने ग्रामीणों से दुग्ध व्यवसाय के विस्तार और आय के छोटे-छोटे स्त्रोतों को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि जैविक खाद उत्पादन व उपयोग का भी इसमें समावेश किया जाना चाहिए। इन कार्यों से आमदनी में अभिवृद्धि के साथ ही बौद्धिक व शारीरिक क्षमता का संवर्धन भी होगा। उन्होंने बैलों से खेती करने के लाभ गिनाते हुए ग्रामीणों से बैलों से खेती करने और अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने के साथ ही पौष्टिक अनाज पैदा करने पर भी जोर दिया।

स्वामी एवं प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RAJHIN/25/A4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theunvoveredup-date.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।